▪ भाद्रपद शुक्ल - 11 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 52 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 14-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 हिमाचल में हिंदुओं की एकजुटता से वक्फ बोर्ड को झुकना पड़ा : गिरिराज
6 राष्ट्रभाषा हिंदी और मातृभाषा में शिक्षा समय की मांग
7 मेरे पिता 1984 में अपहृत विमान में सवार थे : जयशंकर

फर्स्ट टेक

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 689.24 अरब डॉलर के नए उच्च स्तर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार छह सितंबर को समाप्त सप्ताह में 5.25 अरब डॉलर बढ़कर 689.23 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 2.29 अरब डॉलर बढ़कर 683.99 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, छह सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 5.11 अरब डॉलर बढ़कर 604.14 अरब डॉलर हो गईं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पहले एमपॉक्स टीके को मंजूरी दी

जिनेवा/एपी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शुक्रवार को कहा कि उसने वयस्कों में एमपॉक्स के उपचार के वास्ते टीके के इस्तेमाल के लिए पहली मंजूरी दे दी है तथा उसने इसे अफ्रीका और अन्य स्थानों पर इस बीमारी का मुकाबला करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। टीके को मंजूरी दिये जाने का मतलब है कि जीएवीआई वैक्सीन एलायंस और यूनिसेफ जैसे दानकर्ता इसे खरीद सकते हैं। लेकिन आपूर्ति सीमित है क्योंकि केवल एक ही निर्माता है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस ने कहा, ''एमपॉक्स के उपचार के लिए टीके के इस्तेमाल को मंजूरी मिलना इस बीमारी के खिलाफ हमारी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' विश्व स्वास्थ्य संगठन के इस अनुमोदन के तहत, 18 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों को दो खुराक वाला टीका लगाया जा सकता है।

अफगानिस्तान के शिया बहुल क्षेत्र में हमले में 14 लोगों की मौत

इस्लामाबाद/एपी। मध्य अफगानिस्तान के शिया बहुल क्षेत्र में बंदूकधारियों ने 14 लोगों की हत्या कर दी। तालिबान ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह इस वर्ष देश में हुए सबसे घातक हमलों में से एक है। इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने इसकी जिम्मेदारी ली। यह हमला बृहस्पतिवार को हुआ और इसमें शिया बहुल घोर और दाईकुंडी प्रांतों के बीच यात्रा कर रहे लोगों को निशाना बनाया गया। आईएस समूह ने कहा कि हमले के लिए मशीन गन का इस्तेमाल किया गया।

सूर्यास्त	सूर्योदय
14-09-2024 6:10 बजे	15-09-2024 5:57 बजे

BSE	NSE
82,890.94	25,356.50
(-71.77)	(-32.40)

सोना	चांदी
7,539 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	93,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

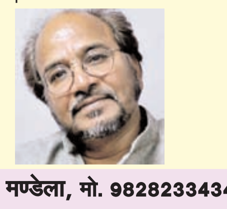

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हिंदी सीखिए

निज भाषाओं को सब सीखे,
बोलें पढ़ें करें सब बोध।
पर दूजे भाषा-भाषी पर,
व्यर्थ कर रहे कुछ दल क्रोध।
हिन्दी हो सम्पर्क की भाषा,
इसका क्यों कर रहे विरोध।
कारण केवल वोट सियासत,
जन-मन चाहे कर ले शोध।।

उच्चतम न्यायालय द्वारा जमानत मिलने के बाद केजरीवाल तिहाड़ जेल से रिहा

राष्ट्रविरोधी ताकतों के खिलाफ लड़ाई जारी रखूंगा : अरविंद केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद अपनी पहली टिप्पणी में कहा कि वह देश को कमजोर करने के लिए काम कर रही ''राष्ट्र विरोधी'' ताकतों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जेल में रहने से उनका हौसला और मजबूत हुआ है।

केजरीवाल को आबकारी नीति 'घोटाला' मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने के कुछ घंटे बाद शुक्रवार शाम तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया। जेल से बाहर निकलने पर आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं तथा समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

नीली कमीज पहने केजरीवाल ने एक वाहन से समर्थकों को संबोधित करते हुए इंकलाब जिंदाबाद और वंदे मारतम जैसे नारे लगाए। उन्होंने कहा, ''ये राष्ट्र विरोधी ताकतें जो देश को कमजोर करने, इसे बांटने की कोशिश कर रही हैं... मैंने हमेशा उनके खिलाफ लड़ाई लड़ी है और आगे भी उनके खिलाफ लड़ाई जारी रखूंगा।'' उन्होंने भारत माता की जय का नारा लगाया।

केजरीवाल ने चंदगीराम अखाड़े से अपने आधिकारिक आवास तक रोड शो किया और कहा कि देश एक नाजुक दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, ''देश एक नाजुक दौर से गुजर रहा है। देश महत्वपूर्ण है, केजरीवाल नहीं। कुछ राष्ट्र विरोधी ताकतें देश को कमजोर करने और बांटने की कोशिश कर रही हैं।

ईसी (निर्वाचन आयोग) को कमजोर करने और ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) और सीबीआई को अपनी मुट्ठी में करने की कोशिश की जा रही है।

सीबीआई को 'पिंजरे में बंद तोते' की धारणा से बाहर निकलना चाहिए : न्यायमूर्ति भुइयां

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश उज्ज्वल भुइयां ने आबकारी नीति 'घोटाले' से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को शुक्रवार को अनुचित करार दिया तथा जांच एजेंसी से कहा कि उसे ''पिंजरे में बंद तोता'' की धारणा से निश्चित रूप से बाहर निकलना चाहिए। आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक केजरीवाल को जमानत देने को लेकर न्यायमूर्ति सूयकांत के निर्णय से सहमति जताने वाले, परंतु अलग से लिखे अपने फैसले में न्यायमूर्ति भुइयां ने सीबीआई द्वारा मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के समय को लेकर सवाल किया। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि एजेंसी का उद्देश्य प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामले में केजरीवाल को मिली जमानत में बाधा डालना था।

हालांकि न्यायमूर्ति सूर्यकांत को सीबीआई की गिरफ्तारी में कुछ अनुचित नहीं लगा। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा, ''सीबीआई देश की एक प्रमुख जांच एजेंसी है। यह जनहित में है कि सीबीआई को निश्चित रूप से न सिर्फ निष्पक्ष होना होगा, बल्कि उसे ऐसा करके दिखाना भी होगा। ऐसी धारणा को दूर करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाना चाहिए कि जांच निष्पक्ष रूप से नहीं की गई थी और गिरफ्तारी दमनात्मक एवं पक्षपातपूर्ण तरीके से की गई थी।'' उन्होंने कहा, ''कानून के शासन द्वारा संचालित एक क्रियाशील लोकतंत्र में धारणा मायने रखती है।

ब्रिटिश राजनयिकों पर रूस ने लगाया जासूसी का आरोप

लंदन/भाषा। ब्रिटेन ने रूस द्वारा उसके राजनयिकों के जासूसी में संलिप्त होने के आरोपों को शुक्रवार को 'पूरी तरह से निराधार' करार दिया। इससे पहले रूस ने छह ब्रिटिश राजनयिकों की मान्यता रद्द कर दी थी, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे कुछ सप्ताह पहले ही देश छोड़ चुके हैं। विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि ब्रिटेन अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा को लेकर कोई कोई 'खेद नहीं' है। उसने रूस की एफएसबी सुरक्षा सेवा द्वारा लगाए गए आरोपों को भी खारिज कर दिया। रूस द्वारा ब्रिटिश राजनयिकों की मान्यता वापस लेने यह खबर ऐसे समय में आई है जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टॉर्मर यूक्रेन युद्ध और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की द्वारा रूस के अंदर मौजूद लक्ष्यों को पश्चिमी देशों द्वारा मुहैया कराई गई मिसाइलों से हमले की अनुमति मांगने के मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से बातचीत करने के लिए वाशिंगटन पहुंचे हैं। एफसीडीओ ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''एफएसबी द्वारा हमारे कर्मचारियों के खिलाफ आज लगाए गए आरोप पूरी तरह से निराधार हैं।''

भारत ने किया हल्के टैंक 'जोरावर' का सफल परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को हल्के टैंक 'जोरावर' का प्रारंभिक ऑटोमोटिव परीक्षणों को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस लडाकू वाहन को चीन के साथ सीमा पर सेना की लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विकसित किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि टैंक ने असाधारण प्रदर्शन किया तथा इसने रेगिस्तानी इलाके में आयोजित क्षेत्रीय परीक्षणों के दौरान सभी इच्छित उद्देश्यों को कुशलतापूर्वक पूरा किया।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और एलएंडटी डिफेंस वायु मार्ग से परिवहन किए जाने योग्य 25 टन वजन के टैंक विकसित कर रहे हैं, जिसे मुख्य रूप से चीन के साथ सीमा पर त्वरित तैनाती के लिए तैयार किया जा रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय हल्के टैंक के सफल परीक्षणों को महत्वपूर्ण रक्षा प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों में भारत की आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

भारत को कोई सुई भी चुभेगी, तो 140 करोड़ लोगों को दर्द होगा

राष्ट्रवाद से समझौता नहीं किया जाना चाहिए : उप राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्र को स्वहित और राजनीतिक मतभेदों से ऊपर रखने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि किसी भी स्थिति में राष्ट्रवाद से समझौता नहीं किया जाना चाहिए और शत्रुओं को प्रोत्साहन नहीं देना चाहिए।

धनखड़ ने राजस्थान के अजमेर में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी हालत में दुश्मन के हित को प्रोत्साहन नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा, दुखद विषय है, चिंता का विषय है, चिंतन का विषय है, मंथन का विषय है कि अपने में से कुछ भटके हुए लोग संविधान की शपथ के बावजूद भारत मां को पीड़ा दे रहे हैं। राष्ट्रवाद के साथ समझौता कर रहे हैं। राष्ट्र की परिकल्पना को समझ नहीं पा रहे हैं। पता नहीं कौन से स्वार्थ को ऊपर रख कर भारत मां को लहुलुहान करना चाहते हैं। हमारे भारत को कोई सुई भी चुभेगी, तो 140 करोड़ लोगों को दर्द होगा।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि हर भारतीय देश के बाहर कदम रखता है तो वह भारतीय राष्ट्रवाद का राजदूत है। भारतीय संस्कृति का राजदूत है। इसको पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रतिपक्ष के नेता के रूप में प्रमाणित किया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री दूसरे दल के थे, कांग्रेस पार्टी के थे, नरसिम्हा राव जी थे, भारत का नेतृत्व विदेश में एक महत्वपूर्ण संवेदनशील मुद्दे पर, कश्मीर से जुड़े मुद्दे पर अटल बिहारी वाजपेयी ने किया वह प्रतिपक्ष के नेता थे।

धनखड़ ने कहा कि देश के अंदर या बाहर ऐसा काम नहीं करना चाहिए तो देश के साथ उपयुक्त आचरण नहीं है।भारतीय राष्ट्रवाद को बढ़ावा नहीं देता है, राष्ट्रवाद को कुंठित करता है। उन्होंने कहा, हमारे सपने पूरे करो, दुश्मनों के सपने पूरे करने में क्यों लगे हुए हो। इतिहास ने उनको कभी माफ नहीं किया है जिन्होंने देश के साथ ऐसा आचरण किया है। उन्होंने कहा कि मूल अधिकारों के साथ-साथ मूल कर्तव्यों पर भी बात करना अति आवश्यक है।भारतीय संविधान के चौथे भाग में नीति निर्देशक सिद्धांत हैं। इसमें भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को कुरुक्षेत्र में उपदेश देने का चित्र हैं। उन्होंने कहा, वह उपदेश है, एकाग्रता से, बिना भटके हुए, बिना रिश्तों को देखे हुए लक्ष्य प्राप्ति करो। और हमारे लक्ष्य क्या हैं? हमारा राष्ट्रवाद। हमारा लक्ष्य है, हमारा भारत।

मुद्रास्फीति कम हुई लेकिन हमें अभी पूरा करना है सफर : आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को कहा कि भारत में मुद्रास्फीति कम हुई है, लेकिन हमें अभी सफर पूरा करना है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित भारत की खुदरा मुद्रास्फीति अगस्त में 3.65 प्रतिशत रही। यह लगातार दूसरा महीना है, जब मुद्रास्फीति चार प्रतिशत से कम रही।

सरकार ने आरबीआई को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा है कि मुद्रास्फीति चार प्रतिशत पर बनी रहे, जिसमें ऊपर नीचे की और दो प्रतिशत की घटबढ़ हो सकती है।

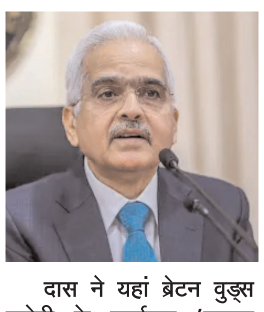

दास ने यहां ब्रेटन वुड्स कमेटी के कार्यक्रम 'फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024' में अपने संबोधन के दौरान कहा, ''मुद्रास्फीति अप्रैल 2022 में अपने चरम 7.8 प्रतिशत से कम होकर चार प्रतिशत के लक्ष्य के आसपास संतोषजनक स्तर पर आ गई है, लेकिन हमें अभी भी सफर तय करना है और हम दूसरी तरफ देखने का जोखिम नहीं उठा सकते।''

आरबीआई के अनुमानों से संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति 2023-24 में 5.4 प्रतिशत से घटकर 2024-25 में 4.5 प्रतिशत और 2025-26 में 4.1 प्रतिशत हो जाएगी।

गवर्नर ने कहा कि वैश्विक आर्थिक गतिविधि और व्यापार ने बड़े पैमाने पर नकारात्मक जोखिमों को झेला है, लेकिन मुद्रास्फीति का अंतिम पड़ाव चुनौतीपूर्ण साबित हुआ है। इससे वित्तीय स्थिरता के जोखिम भी पैदा हुए हैं।

दास ने कहा, ''वैश्विक मुद्रास्फीति में कमी की गति धीमी हो रही है, जिससे मौद्रिक नीति को उदार बनाने में सावधानी बरतने की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंकों को मौद्रिक नीति का प्रबंधन सोच-विचार करके करना चाहिए और सरकार को आपूर्ति पक्ष के उपायों पर ध्यान देना चाहिए।

पोर्ट ब्लेयर का नाम श्री विजयपुरम किया गया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को घोषणा की कि केंद्रशासित प्रदेश अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजयपुरम कर दिया गया है। शाह ने यह भी कहा कि यह निर्णय देश को औपनिवेशिक प्रतीकों से मुक्त करने के लिए लिया गया है, क्योंकि अंडमान निकोबार द्वीप समूह का देश के स्वतंत्रता संग्राम और इतिहास में 'अद्वितीय स्थान' है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''देश को गुलामी के सभी प्रतीकों से मुक्ति दिलाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के संकल्प से प्रेरित होकर आज गृह मंत्रालय ने पोर्ट ब्लेयर का नाम 'श्री विजयपुरम' करने का निर्णय लिया है।'' शाह ने कहा, '' 'श्री विजयपुरम' नाम हमारे स्वाधीनता के संघर्ष और इसमें अंडमान निकोबार के योगदान को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि इस द्वीप का देश की स्वाधीनता और इतिहास में अद्वितीय स्थान रहा है।

रेलमंत्री वैष्णव ने मुंबई लोकल ट्रेन में किया सफर, यात्रियों से बात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को लाखों मुंबईवासियों की जीवनरेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेन में सफर किया और इस दौरान यात्रियों से बातचीत भी की।

वैष्णव अपराह्न 2.34 बजे दक्षिण मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से उपनगरीय ट्रेन में सवार हुए और 27 किलोमीटर के सफर के बाद अपराह्न 3.18 बजे भांडुप स्टेशन पर उतर गए।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि एक पुरस्कार समारोह के लिए मुंबई आए वैष्णव अंबरनाथ जाने वाली धीमी गति की लोकल ट्रेन के द्वितीय श्रेणी कोच में सवार हुए और भांडुप स्टेशन पर उतर गए।

एक अधिकारी ने बताया कि वैष्णव गणेश उत्सव के दौरान मुंबई में एक गणेश मंडल भी जाने वाले हैं। मध्य रेलवे के महाप्रबंधक धर्मवीर मीणा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी वैष्णव के ट्रेन सफर के दौरान उनके साथ थे।

उत्तर कोरिया ने देश में यूरेनियम संवर्धन केन्द्र होने का खुलासा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सियोल/एपी। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने कुछ तस्वीरें जारी कर एक गोपनीय केन्द्र की झलक पेश की जहां परमाणु हथियारों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले यूरेनियम का संवर्धन किया जाता है।

देश के नेता किम जोंग उन ने इस केन्द्र का दौरा किया और परमाणु हथियारों की संख्या को ''तेजी से'' बढ़ाने का आह्वान किया। सरकारी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह केन्द्र उत्तर कोरिया के 'योंगब्योन परमाणु कॉम्पलेक्स' में है या नहीं, लेकिन यह पहली बार है जब उत्तर कोरिया ने देश में यूरेनियम संवर्धन केन्द्र होने के संबंध में खुलासा किया है।

इससे पहले उत्तर कोरिया ने 2010 में 'योंगब्योन परमाणु कॉम्पलेक्स' के बारे में जानकारी दी थी।

माना जा रहा है कि उत्तर कोरिया का यह नया खुलासा अमेरिका और उसके सहयोगियों पर अधिक दबाव बनाने का एक प्रयास है। साथ ही मीडिया ने इस क्षेत्र की जो तस्वीरें जारी की हैं उससे लोग इस बात का आकलन कर सकते हैं कि परमाणु हथियारों के संबंध में उत्तर कोरिया की तैयारी किस स्तर की हो सकती है।

'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) की रिपोर्ट के अनुसार 'परमाणु वेपन इंस्टीट्यूट' और हथियार निर्माण परमाणु सामग्री उत्पादन केन्द्र के दौरे के वक्त किम ने परमाणु शक्ति के क्षेत्र में देश में मौजूद बेहतरीन तकनीक की सराहना की।

केसीएनए ने अपनी खबर में कहा कि किम ने यूरेनियम संवर्धन केन्द्र के नियंत्रण कक्ष और एक निर्माण स्थल का दौरा किया।

उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने कुछ तस्वीरें भी जारी कीं जिसमें किम को वैज्ञानिकों के साथ बातचीत करते दिखाया गया है। वहीं, एक किनारे स्लेटी रंग की लंबी ट्यूब की एक श्रृंखला है।

रिपोर्ट में हालांकि यह नहीं बताया गया कि किम ने इस केन्द्र का दौरा कब किया और ये कहां पर है।

सिख विरोधी दंगों का मामला: टाइटलर के खिलाफ हत्या के आरोप तय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के एक मामले में शुक्रवार को कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या तथा अन्य अपराधों में आरोप तय किए। टाइटलर ने गुनाहों को कबूल नहीं किया जिसके बाद विशेष न्यायाधीश राकेश सियाल ने उन पर मुकदमा चलाए जाने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने 30 अगस्त को कहा था कि आरोपी के खिलाफ कार्यवाही आगे बढ़ाने का पर्याप्त आधार है। एक गवाह ने पहले आरोपपत्र में कहा था कि टाइटलर एक नवंबर, 1984 को यहां गुरुद्वारा पुल बंगश के सामने सफेद अंबेसेडर कार से बाहर निकले थे और उन्होंने यह कहते हुए भीड़ को उकसाया कि ''सिखों को मारो, उन्होंने हमारी मां को मारा है'' और इसके बाद तीन लोगों की 'हत्या' हो गई।

अपराधियों के मन में कानून का भय हो, पीड़ितों को त्वरित न्याय मिले : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुक्रवार को राज्य के पुलिस अधिकारियों से कहा कि अपराधियों के मन में कानून का भय हो तथा पीड़ितों को त्वरित न्याय मिले। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय शुक्रवार को राजधानी के न्यू-सर्किट हाउस में 'कलेक्टर-एसपी' कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे।

साय ने कहा, अपराधियों के मन में कानून का भय हो तथा पीड़ितों को त्वरित न्याय मिले। आम जनता में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास कायम रहे। बेवजह किसी नागरिक को परेशान न किया जाए। पुलिस का व्यवहार आम नागरिकों के साथ मित्रवत हो। पुलिस थानों का वातावरण ऐसा हो कि आम नागरिक को पुलिस थानों में प्रवेश करते समय सहयोग की उम्मीद हो। उन्होंने कहा, राज्य में अपराध पर नियंत्रण के लिए जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक आपसी समन्वय स्थापित करते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। केंद्र सरकार ने दंड संहिता को बदल कर न्याय संहिता कर दिया है। इसका जमीनी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पुलिस को इन नए कानूनों के अनुरूप कार्य करने के लिए स्वयं को ढालना होगा। हमारी सरकार सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है, और पिछले वर्षों की तुलना में अपराध की संख्या में कमी आई है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नये सिरे से सोशल पुलिसिंग को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है, इससे अपराधों को रोकने में मदद मिलेगी। लोगों को जागरूक करना और उन्हें इस बात का भरोसा दिलाना होगा कि पुलिस उनके साथ है।

साय ने कहा कि अवैध शराब के परिवहन तथा बिक्री, जुआ, सट्टा और गांजा की तस्करी को रोकने के लिए अभियान चलाकर दोषियों पर विधिसम्मत कार्यवाही सुनिश्चित करें। समाज में अशांति फैलाने वालों, अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखें और उनके खिलाफ त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें। हत्या जैसे मामले में कार्रवाई में देरी नहीं होनी चाहिए तथा ऐसे मामलों में प्राथमिकता से त्वरित गति से कार्यवाही सुनिश्चित करें।

आंध्र प्रदेश सरकार बाढ़ पीड़ितों के लिए नए घर बनाएगी

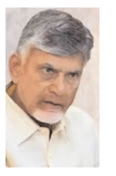

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश में जिन लोगों के घर बाढ़ में पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं उनके लिए राज्य सरकार नए घर बनाएगी तथा वह हाल की बाढ़ में क्षतिग्रस्त वाहनों के लिए मुआवजा देने पर भी विचार कर रही है। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि हाल में बंगाल की खाड़ी में दबाव का क्षेत्र बनने के कारण आई मूसलाधार बारिश और बुदामेरु नदी में आई बाढ़ ने विजयवाड़ा में तबाही मचा दी, जबकि कुल सात जिले प्रभावित हुए।

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सचिवालय में बाढ़ से हुए नुकसान की समीक्षा की। बाढ़ में जिन लोगों ने अपने सभी घरेलू संसाधन और सामान खो दिए हैं सरकार उन्हें अलग-अलग स्तर पर मुआवजा देने की योजना बना रही है। जिन लोगों के घर बाढ़ में पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं उनके लिए सरकारी मानदंडों के अनुसार नए घरों का निर्माण किया जाएगा। साथ ही कहा गया है कि बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन पूरा होने के बाद सरकार वित्तीय सहायता के बारे में निर्णय लेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन पूरा हो जाता है तो 17 सितंबर को सहायता राशि वितरित की जा सकेगी। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार बाढ़ में 2.13 लाख से अधिक घर जलमग्न हो गए, जिनमें से 84,505 घरों के नुकसान का आकलन पूरा हो चुका है। बाढ़ में हजारों कारें, दोपहिया वाहन और ऑटोरिक्शा भी क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि 2.14 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फसलें भी नष्ट हो गईं।

मस्जिद में अनधिकृत निर्माण को लेकर शिमला के बाद मंडी में विरोध प्रदर्शन, पुलिस ने पानी की बौछार की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंडी/शिमला/भाषा। हिंदू संगठनों ने हिमाचल प्रदेश के मंडी में एक मस्जिद के अनधिकृत हिस्से को ध्वस्त करने की मांग को लेकर शुक्रवार को शहर में विरोध मार्च निकाला और ढांचे की ओर जाने की कोशिश की। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पानी की बौछार की।

मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने बृहस्पतिवार को मस्जिद के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया था और कहा था कि इसकी एक दीवार सरकारी भूमि का अतिक्रमण कर बनाई गई थी। मंडी में यह विरोध प्रदर्शन शिमला के संजौली क्षेत्र में हुए प्रदर्शन के दो दिन बाद हुआ है। संजौली क्षेत्र में एक मस्जिद के अवैध हिस्से को ध्वस्त करने की मांग कर रहे हिंदू संगठनों के आह्वान पर एकत्र प्रदर्शनकारियों की सुरक्षाकर्मियों के साथ झड़प हो गई थी। संजौली स्थित मस्जिद में विवादित ढांचे के खिलाफ हिंदू संगठनों के विरोध प्रदर्शन के कारण पिछले हफ्ते से शिमला का माहौल गरम रहा। शिमला में बुधवार को विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया और लोगों ने बैरिकेड तोड़ दिए और पथराव किया। पुलिस ने लोगों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार करने के साथ लाठियां बरसाईं, जो इस शहर के लिए नई बात थी।

हिमाचल प्रदेश की राजधानी में पुलिस और महिलाओं सहित लगभग 10 लोग घायल हो गए और पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया, जिनमें हिंदू जागरण मंच के सचिव कमल गौतम भी शामिल थे। हिमाचल प्रदेश के मंडी शहर में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई गई मस्जिद के एक हिस्से को ढहाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने शुक्रवार को पानी की बौछार की। मंडी नगर निगम द्वारा मस्जिद प्रबंधन समिति को 30 दिन के भीतर अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया गया है। नोटिस के मुताबिक, मस्जिद 232 वर्ग मीटर जमीन पर बनी है जबकि मंजूरी सिर्फ 45 वर्ग मीटर के लिए दी गई थी। प्रदर्शनकारियों ने 'जय श्री राम' का नारा लगाते हुए पहले मंडी बाजार इलाके में मार्च निकाला और फिर वे सेरी मंच पर धरने पर बैठ गए। बाद में जब उन्होंने मस्जिद की ओर बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया और स्थिति पर काबू पाने के लिए पानी की बौछार की।

हिंदू संगठनों की ओर से विरोध मार्च का आह्वान किए जाने के बाद पुलिस ने मंडी में भारी बल तैनात कर सुरक्षा बढ़ा दी है।

ट्रक ने मेरे वाहन का पीछा कर उसे टक्कर मारने का प्रयास किया: हरियाणा के भाजपा सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य राम चंदर जांगड़ा ने कहा कि वह उस समय बाल-बाल बच गए जब एक ट्रक ने कथित तौर पर उनके वाहन (एसयूवी) का सिरसा जिले से महम स्थित उनके घर तक पीछा किया और उनके वाहन को टक्कर मारने का प्रयास किया।

सांसद के साथ मौजूद एक सुरक्षाकर्मी ने बृहस्पतिवार शाम को घटित इस घटना के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

घटना की जानकारी देते हुए जांगड़ा ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि वह सिरसा जिले से रोहतक के महम लौट रहे थे तभी उनके साथ चल रहे सुरक्षाकर्मियों ने पाया कि महम के पुराना बस अड्डा इलाके के पास यातायात जाम की स्थिति है।

यह देखकर जांगड़ा का एक सुरक्षाकर्मी वाहन से उतरा और यह पता लगाने की कोशिश की कि यातायात क्यों बाधित है।

जांगड़ा ने कहा, ''उसने पाया कि सड़क के बीच में एक ट्रक आगे नहीं बढ़ रहा था, जिससे यातायात में बाधा उत्पन्न हो रही थी। मेरे सुरक्षाकर्मी ने यातायात को सुचारु बनाने की कोशिश की और ट्रक चालक को सड़क के एक तरफ जाने के लिए कहा ताकि अन्य वाहनों की आवाजाही हो सके।'' उन्होंने कहा, ''ट्रक चालक ने मेरे सुरक्षाकर्मी के साथ दुर्व्यवहार किया, लेकिन सुरक्षाकर्मी मामले को आगे नहीं बढ़ाना चाहता था और लौट आया। जब हमारा वाहन ट्रक के पास पहुंचा, तो ट्रक चालक ने कार (एसयूवी) का एक दरवाजा पकड़ लिया और उसे खोलने की कोशिश की, वह भी तब जब मेरा सुरक्षाकर्मी कार में बैठ ही रहा था।'' जांगड़ा ने कहा, ''जैसे ही मेरा वाहन चालक सड़क पर आगे बढ़ा, ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए हमारा पीछा किया और हमारे वाहन को टक्कर मारने का प्रयास किया। हम बाल-बाल बच गए।''

जांगड़ा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ट्रक चालक ने उनकी कार का पीछा उनके घर के ठीक पास तक किया और भाग गया। पुलिस ने कहा कि इस घटना को लेकर मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

केजरीवाल की जमानत हरियाणा एवं दिल्ली में पार्टी के अभियान को मजबूती देगी : आप के नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव एवं हरियाणा के मौजूदा चुनावों के मद्देनजर दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल को उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गयी जमानत पार्टी के हौसले बुलंद करने वाली है।

आप जहां हरियाणा विधानसभा चुनाव में अपनी पकड़ मजबूत बनाना चाहती हैं, वहीं यह दिल्ली में अपनी सत्ता बचाने का प्रयास भी करेगी।

केजरीवाल (56) आप के चुनाव अभियानों के केंद्र में रहे हैं और यदि उनकी पार्टी पांच अक्टूबर को हरियाणा विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस को कोई बड़ी चुनौती देने में सफल होती है, तो इसमें मुख्यमंत्री की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होगी।

पार्टी नेताओं का कहना है कि अपने तीखे भाषणों और प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ शब्दों के बाण से केजरीवाल हरियाणा विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के पक्ष में पलड़ा झुका सकते हैं। हरियाणा में आप अकेले चुनाव लड़ रही है। इस राज्य में फिलहाल आप का कोई सांसद या विधायक नहीं है।

केजरीवाल को जमानत को लेकर शीर्ष अदालत के आदेश के तुरंत बाद, पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि आप हरियाणा और दिल्ली में भाजपा को हराएगी। सिंह ने कहा, ''केजरीवाल की मौजूदगी हमें मजबूत करेगी।''

पार्टी नेता एवं राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने उम्मीद जताई कि आप सुप्रीमो हरियाणा विधानसभा चुनाव की कमान संभालेंगे। उन्होंने कहा, ''पार्टी ने उनके नेतृत्व में गुजरात और दिल्ली में चुनाव लड़ा है और (यह) हरियाणा में भी उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी। मुझे उम्मीद है कि वह (तिहाड़ जेल से) रिहा होते ही हरियाणा चुनाव की कमान संभालेंगे।''

शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को केजरीवाल को आबकारी नीति 'घोटाले' के सिलसिले में सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में जमानत दे दी और कहा कि लंबे समय तक जेल में रखना आजादी से वंचित करने के समान है।

आप के एक पदाधिकारी ने कहा कि केजरीवाल का हरियाणा से ताल्लुक होना एक बड़ी उपलब्धि है और पार्टी चुनाव से पहले इसका फायदा उठाने की कोशिश करेगी।

पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, ''वह पार्टी का सबसे बड़ा चेहरा हैं। उन्हें सलाखों के पीछे डालने का पूरा उद्देश्य क्या था? हमारे नेताओं को विभिन्न मामलों में निशाना बनाना तब शुरू हुआ जब हम राष्ट्रीय पार्टी बन गए। केजरीवाल और (पूर्व उपमुख्यमंत्री) मनीष सिसोदिया को सलाखों के पीछे डालने का पूरा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर आगे न बढ़े।

सेबी प्रमुख, उनके पति ने कांग्रेस के आरोपों को गलत बताया, झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूंजी बाजार नियामक सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने अनियमितता बरतने और हितों के टकराव को लेकर कांग्रेस की तरफ से लगाए गए आरोपों से शुक्रवार को इनकार करते हुए कहा कि ये आरोप 'गलत, प्रेरित और साख बिगाड़ने' की कोशिश हैं।

बुच ने अपने खिलाफ लगे आरोपों का बिंदुवार खंडन करते हुए एक बयान में कहा कि 'तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने' की एक स्पष्ट परिपाटी उभरती हुई नजर आ रही है। उन्होंने इस मामले में उचित कानूनी कार्रवाई करने का भी संकेत दिया। बुच दम्पति ने एक संयुक्त बयान में कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप अवैध रूप से जुटाई गई जानकारी पर आधारित हैं जो कि गोपनीयता कानूनों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि आरोप मामले को गर्म रखने के इरादे से किस्तों में लगाए जा रहे हैं।

दम्पति ने छह पन्नों के इस बयान में कहा, अगर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर व्यक्तियों और संस्थाओं को बदनाम करने के बजाय सच्चाई तक पहुंचने का उद्देश्य होता तो हमें आश्चर्य होता है कि सभी आरोपों को एक बार में ही सार्वजनिक क्यों नहीं कर दिया जाता। तब हम एक बार में ही सभी तथ्य दे देते। यह बयान मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की तरफ से सेबी प्रमुख के खिलाफ लगाए गए कई आरोपों के बाद आया है। कांग्रेस ने माधबी पुरी बुच पर सेवानिवृत्ति के बाद भी आईसीआईसीआई बैंक से आय होने और वॉकहार्ट एसोसिएट्स से किराया मिलने जैसे आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने धवल बुच और उनकी दो कंपनियों- भारत में अगोरा एडवाइजरी और सिंगापुर में अगोरा पार्टनर्स की तरफ से दिए गए परामर्श कार्यों को लेकर भी आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि धवल बुच ने महिंद्रा समूह से 4.78 करोड़ रुपए उस समय अर्जित किए जब सेबी नियमों के उल्लंघन को लेकर उस कंपनी के खिलाफ जांच कर रहा था। इस पर बयान में कहा गया कि धवल ने माधबी को सेबी का प्रमुख नियुक्त किए जाने के पहले ही 2019 में महिंद्रा एंड महिंद्रा के साथ काम करना शुरू कर दिया था। बयान के मुताबिक, धवल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली से इंजीनियर हैं, उनके पास हिंदुस्तान यूनिलीवर के बोर्ड में कार्यकारी निदेशक के रूप में 35 वर्षों का अनुभव है और एक अग्रणी पेशेवर के रूप में उनकी 'अच्छी प्रतिष्ठा' है।

सीबीआईसी ने जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार बेंगलूरु सीजीएसटी अधिकारियों को निलंबित किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बेंगलूरु में कुछ सीजीएसटी अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जिन्हें शहर की पुलिस ने जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया था।

सीबीआईसी ने शुक्रवार को बताया कि बेंगलूरु ईस्ट क्षेत्र के बयप्पनहल्ली पुलिस थाने में एक व्यापारी द्वारा दर्ज अपहरण और जबरन वसूली की शिकायत के आधार पर बेंगलूरु नगर अपराध शाखा ने 11 सितंबर को केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में जीएसटी के निरीक्षक और वरिष्ठ खुफिया अधिकारी रैंक के कर्मचारियों के अलावा एक अधीक्षक रैंक का अधिकारी भी शामिल है।

सीबीआईसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बताया गया है कि बेंगलूरु में कुछ सीजीएसटी अधिकारियों ने कथित जबरन वसूली का सहारा लिया है। इसमें शामिल अधिकारियों को तुरंत निलंबित कर दिया गया है। सीबीआईसी ने कहा कि वह उन पुलिस अधिकारियों के संपर्क में है, जिन्होंने इन गिरफ्तार अधिकारियों को रिमांड पर लिया था। उसने कहा, मामले में जांच के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीबीआईसी पारदर्शी और व्यापार-अनुकूल कर प्रशासन स्थापित करने के प्रयास में आधिकारिक कदाचार के मामलों में शून्य-सहिष्णुता की नीति का पालन करता है।

सरकार ने प्याज पर न्यूनतम निर्यात मूल्य को हटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने प्याज के निर्यात के लिए पहले तय की गई न्यूनतम मूल्य सीमा (एमईपी) शुक्रवार को हटा दी। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्याज की अधिकता के बीच भारतीय किसानों को स्थितियों का लाभ उठाने में मदद मिलेगी।

सरकार ने पहले न्यूनतम निर्यात मूल्य के तौर पर 550 डॉलर प्रति टन की सीमा तय की थी। इसका मतलब यह था कि किसान इस दर से कम कीमत पर अपनी उपज विदेश में नहीं बेच सकते थे।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना जारी कर तत्काल प्रभाव से न्यूनतम निर्यात मूल्य को हटा दिया। यह कदम महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले उठाया गया है, जो प्याज का प्रमुख उत्पादक राज्य है।

इस कदम से प्याज के निर्यात को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

डीजीएफटी ने अपनी अधिसूचना में कहा, ''प्याज के निर्यात पर न्यूनतम निर्यात मूल्य की शर्त तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक हटा दी गई है।''

ऑपरेशन ब्लू स्टार गलत था, भाजपा ने इसके लिए दबाव बनाया था: चन्नी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने शुक्रवार को कहा कि वर्ष 1984 में स्वर्ण मंदिर में की गई सैन्य कार्रवाई 'गलत' थी और इसके लिए उनकी पार्टी माफी भी मांग चुकी है। उन्होंने यह दावा भी किया कि उस समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हरमिंदर साहब पर 'अटैक (हमले)' के लिए फौज भेजने की खातिर दबाव बनाया था जिसके लिए उसे माफी मांगनी चाहिए। चन्नी ने यहां कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के मामले से जुड़े सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की।

दिल्ली की एक अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के एक मामले में शुक्रवार को कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या तथा अन्य अपराधों में आरोप तय किए। यह पूछे जाने पर कांग्रेस ने जगदीश टाइटलर को अभी तक क्यों नहीं निकाला तो चन्नी ने कहा, ''जो दंगे हुए और जो हरमिंदर साहब पर 'अटैक' हुआ, उसके लिए एक बार नहीं, कांग्रेस बहुत बार माफी मांग चुकी है। हरमंदिर साहब पर 'अटैक' हुआ, वो गलत था, ये कांग्रेस मान चुकी है और माफी भी मांग चुकी है।'' उन्होंने सवाल किया कि भाजपा 10 साल से सत्ता में होने के बावजूद दंगों के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा क्यों नहीं दिलवा सकी?

चन्नी का कहना था, ''मैं कांग्रेस मुख्यालय में बैठकर कह रहा हूं कि 1984 में जो हरमंदिर साहब पर 'अटैक' हुआ वो गलत था। भाजपा क्यों नहीं मानती कि इस 'अटैक' को कराने के पीछे उसका एक बहुत बड़ा आंदोलन था।'' उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने उस समय सरकार पर दबाव बनाया था कि कि हरमंदिर साहब में फौज भेजी जाए तथा पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी पुस्तक 'माई कंट्री, माई लाईफ' में यह कहा है कि उन्होंने सैन्य कार्रवाई के लिए आंदोलन चलाया था।

चेन छीनने वाले गिरोह के आठ सदस्य दिल्ली और हरियाणा से गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। चेन छीनने वाले गिरोह के आठ सदस्यों को बृहस्पतिवार को दिल्ली और हरियाणा से गिरफ्तार किया गया। इनमें चार महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को राष्ट्रीय राजधानी के द्वारका से गिरफ्तार किया, जबकि तीन अन्य को हरियाणा पुलिस ने झज्जर से गिरफ्तार किया है।

एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से सोने की तीन चेन बरामद की गई हैं।

हम शांति कायम रखने की अपील करते हैं, पर्यटकों का स्वागत है: सुक्खू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मंडी में मस्जिद के 'अनधिकृत' ढांचे को गिराने की हिंदू संगठनों की मांग और उनके प्रदर्शन के बाद पैदा हुए तनाव के बीच राज्य के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को जनता से शांति और भाईचारा कायम रखने की अपील की और कहा कि पर्यटकों का राज्य में स्वागत है।

सुक्खू ने यहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता रणधीर शर्मा, माकपा नेता राकेश सिंघा और आम आदमी पार्टी के नेता सुरजीत सिंह तथा अन्य के साथ एक सर्वदलीय बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ''हम शांति और भाईचारा कायम रखने और पर्यटकों का स्वागत करने की अपील करते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने सभी से अपील की है कि शांति बनाकर रखें और भड़काऊ बयान नहीं दें। किसी को कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं है। हम सभी का सम्मान करते हैं। हिमाचल की धरती पर सभी धर्मों का सम्मान है।''

मंडी शहर में एक मस्जिद के 'अतिक्रमण वाले' ढांचे को गिराने की मांग को लेकर हिंदू संगठनों द्वारा शुक्रवार को किए गए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश विरोध प्रदर्शन का राज्य है। उन्होंने सर्वदलीय बैठक के बाद यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा, ''हम सभी यहां छात्र आंदोलन की उपज हैं।'' सुक्खू ने कहा, ''हिमाचल प्रदेश विरोध प्रदर्शन का राज्य है। भाजपा, माकपा और बेरोजगारों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन यह शांतिपूर्ण होना चाहिए।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के लोग खुद आगे आए हैं और उन्होंने अनधिकृत संरचनाओं को गिराने की पेशकश की है और यहां तक कि बृहस्पतिवार को मंडी में मस्जिद के एक हिस्से को गिरा भी दिया। उनके कदम का स्वागत करते हुए सुक्खू ने कहा कि बैठक में यह संकल्प लिया गया है कि राज्य में शांति और भाईचारा कायम रहना चाहिए और सभी अनधिकृत निर्माण कार्यों से कानून के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने दोहराया कि किसी को भी किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ''यह कोई धार्मिक मुद्दा नहीं है। सभी समुदाय समान हैं और यहां शांतिपूर्वक रहते हैं। दो व्यक्तियों के बीच एक छोटे से विवाद के कारण वर्तमान स्थिति उत्पन्न हुई। स्थानीय नेताओं ने स्थानीय विवाद को हवा दी।''

चेन्नई रवाना : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दुनिया भर की विभिन्न अग्रणी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और तमिलनाडु में नए व्यापार निवेश का आह्वान किया और अपनी अमेरिका यात्रा सफलतापूर्वक समाप्त की और चेन्नई के लिए रवाना हुए। 12 सितम्बर को शिकागो हवाई अड्डे पर अमेरिकन तमिलों द्वारा उन्हें विदाई दी गई। सभी का उन्होंने हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

स्टालिन का अमेरिकी दौरा संपन्न, 7,000 करोड़ रु. से अधिक के समझौतों पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने अमेरिकी कंपनी 'रैपिड ग्लोबल बिजनेस सॉल्यूशंस' के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और यह कंपनी 100 करोड़ रुपये का निवेश कर राज्य में एक नयी इकाई स्थापित करेगी। तमिलनाडु सरकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार द्वारा यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 12 सितंबर को शिकागो में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की मौजूदगी में राज्य और कंपनी के अधिकारियों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिनमें कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नानुआ सिंह और अन्य शामिल थे।

इसमें कहा गया है कि नयी इलेक्ट्रॉनिक और टेलीमेटिक्स कंपनी होसुर में स्थापित की जाएगी। इस दौरान उद्योग मंत्री टीआरबी राजा और राज्य के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। राज्य सरकार ने निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री के आधिकारिक अमेरिकी दौरे के दौरान 18 कंपनियों के साथ कुल 7,616 करोड़ रुपये के समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

स्टालिन 27 अगस्त को अपनी अमेरिका यात्रा के लिए रवाना हुए थे। यात्रा का समापन 12 सितंबर को हुआ। अमेरिका में तमिल प्रवासियों ने मुख्यमंत्री को विदाई दी जिसके बाद वह शिकागो से चेन्नई के लिए रवाना हुए।

सीएमएफआरआई को समुद्री शैवाल की खेती के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के तहत मत्स्यपालन विभाग ने आईसीएआर-केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान को समुद्री शैवाल की खेती के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया है।

तमिलनाडु के मंडपम में केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई) का क्षेत्रीय केंद्र समुद्री शैवाल की खेती में अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए एक केंद्र के रूप में काम करेगा।

सीएमएफआरआई ने विज्ञप्ति में कहा, यह केंद्र टिकाऊ समुद्री शैवाल की खेती को बढ़ावा देगा और वैश्विक समुद्री शैवाल उद्योग में भारत की भूमिका को बढ़ाने के उद्देश्य से क्षेत्र में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करेगा। सीएमएफआरआई के निदेशक डॉ. ग्रिनसन जॉर्ज ने इस विकास को समुद्री शैवाल की खेती में देश की क्षमता को सामने लाने में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, केंद्र कई प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें समुद्री शैवाल की खेती की तकनीक में सुधार और चुनौतियों का समाधान शामिल है।

होटल मालिक और सीतारमण की बातचीत का वीडियो साझा होने पर तमिलनाडु भाजपा प्रमुख ने माफी मांगी

dakshinbharat.com
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। तमिलनाडु के भारतीय जनता पार्टी प्रमुख के अन्नामलाई ने शुक्रवार को कोयंबटूर में होटलों के एक मालिक और केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के बीच निजी बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करने के अपने पार्टी पदाधिकारियों के कृत्य के लिए माफी मांगी।

वीडियो वायरल होने के कुछ ही मिनटों बाद द्रमुक, कांग्रेस और अन्य इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उसने (भाजपा) 12 सितंबर को कोयंबटूर में एक प्रतिष्ठित होटल व्यवसायी को वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) पर अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगने के लिए मजबूर किया।

सामने आए विवादास्पद वीडियो में श्री अन्नपूर्णा रेस्तरां के मालिक श्रीनिवासन को वित्तमंत्री से यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह किसी भी पार्टी से संबद्ध नहीं हैं, फिर बाद में वह माफी मांगते हैं। एक दिन पहले ही उन्होंने कोयंबटूर में सीतारमण की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम में जीएसटी का मुद्दा उठाया था और कहा था, समस्या यह है कि जीएसटी हर आइटम पर अलग-अलग तरीके से लगाया जाता है। उदाहरण के लिए 'बन' पर कोई जीएसटी नहीं है, लेकिन अगर आप इस पर क्रीम लगाते हैं तो जीएसटी 18 प्रतिशत हो जाता है।

उन्होंने कहा कि इसके कारण ग्राहक, खासकर परिवार बन और क्रीम अलग-अलग मांगते हैं और कहते हैं कि वे पैसे बचाने के लिए खुद ही बन पर क्रीम लगा लेंगे। श्रीनिवासन ने अनुरोध किया था और मजाकिया लहजे में कहा था कि जीएसटी की उलझन के कारण कंप्यूटर अटक रहा है। उन्होंने कहा, लोग कहते हैं कि वित्त मंत्री ने मिठाई पर पांच प्रतिशत और नमकीन पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाया है, क्योंकि उत्तर भारत में लोग खूब मिठाई खाते हैं और तमिलनाडु में मिठाई, नमकीन और कॉफी एक साथ खाते/पीते हैं। कृपया एक समान जीएसटी लगाएं।

सीतारमण ने इस पर विचार करने का आश्वासन दिया। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए वित्तमंत्री ने कहा कि उन्होंने (श्रीनिवासन) एक मुद्दा उठाया है जिस पर जीएसटी परिषद को विचार करना चाहिए। कई तरफ से आलोचनाओं के बीच अन्नामलाई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, तमिलनाडु भाजपा की ओर से मैं अपने पदाधिकारियों के इस कृत्य के लिए ईमानदारी से माफी मांगता हूं, जिन्होंने एक सम्मानित व्यवसायी और हमारे माननीय वित्तमंत्री के बीच एक निजी बातचीत को साझा किया। उन्होंने कहा, मैंने अन्नपूर्णा रेस्तरां के सम्मानित मालिक थिरु श्रीनिवासन अवल से बात की ताकि अनजाने में हुए गोपनीयता के इस उल्लंघन के लिए खेद व्यक्त किया जा सके। अन्नपूर्णा श्रीनिवासन अन्ना तमिलनाडु के व्यापारिक समुदाय का एक स्तंभ हैं जो राज्य और देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि वे इस मामले को उचित सम्मान के साथ खत्म करें। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि कोयंबटूर में अन्नपूर्णा रेस्तरां जैसे छोटे व्यवसाय के मालिक ने सरल जीएसटी व्यवस्था की मांग की थी, लेकिन उनके अनुरोध पर अहंकार और घोर अनादर दिखाया गया।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गयी पोस्ट में कहा, जबकि एक अरबपति मित्र नियमों में नरमी लाने, कानून में बदलाव या राष्ट्रीय संपत्ति अधिग्रहीत करने के लिए कहते हैं तो मोदी जी लाल कालीन बिछा देते हैं। हमारे छोटे व्यापारियों ने नोटबंदी, पहुंच से दूर रहने वाले बैंकिंग तंत्र, जबरन कर वसूली और विनाशकारी जीएसटी के प्रहार झेले हैं। अब आखिर में यही बात रह जाती है कि उनका और अनादर किया जाए।

गांधी ने यह भी कहा, किंतु जब सत्ता में बैठे लोगों के कमजोर अहम् पर ठेस लगती है, ऐसा लगता है कि वे अपमान ही दे सकते हैं। एमएसएमई (छोटे एवं मझोले उद्योग) वर्षों से राहत की मांग कर रहे हैं। यदि इस अहंकारी सरकारने लोगों की बात को सुना होता तो वे इस बात को समझ सकते थे एकल कर दर के साथ सरलीकृत जीएसटी से लाखों व्यापारियों की समस्याओं का हल निकल सकता है। द्रमुक सांसद कनिमोई केंद्र की भाजपा नीत सरकार एवं केंद्रीय मंत्रियों को तमिल आत्मसम्मान को लेकर कटाक्ष करने के विरुद्ध आगाह किया।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस-कोचुवेली के लिए विशेष ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्य रेलवे ने दिवाली त्यौहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए लोकमान्य तिलक टर्मिनस-कोचुवेली-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर विशेष ट्रेन चलाई जाएगी।

ट्रेन सं. 01463 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - कोचुवेली साप्ताहिक त्यौहार विशेष ट्रेन की चार सेवाएं गुरुवार को 24 , 31 अक्टूबर, 07 , 14 नवंबर को 16.00 बजे लोकमान्य तिलक से रवाना होगी और अगले दिन 20.40 बजे कोचुवेली पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन सं. 01464 कोचुवेली-लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक त्यौहार विशेष प्रत्येक शनिवार को 26 अक्टूबर, 02 , 09 , 16 नवंबर को 16.20 बजे कोचुवेली से रवाना होगी और अगले दिन 21.50 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी।

इस ट्रेन में 2-एसी टू टियर कोच, 6-एसी थ्री टियर कोच, 8-स्लीपर क्लास कोच, 2-सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, 1-द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1-सामान सह ब्रेक वैन होंगे।

केरल में 2015 के विधानसभा व्यवधान मामले में तत्कालीन तीन कांग्रेस विधायकों के खिलाफ मामला खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को दो विधायकों सहित उन तीन कांग्रेस नेताओं के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी, जिन पर 2015 में विधानसभा में हंगामे के दौरान वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की दो तत्कालीन विधायकों को बाधित करने और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप था।

विधानसभा में 13 मार्च, 2015 को तब व्यवधान हुआ था जब एलडीएफ विधायकों ने राज्य के तत्कालीन वित्त मंत्री के एम मणि को बजट पेश करने से रोकने की कोशिश की थी तथा उनके खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर उनके इस्तीफे की मांग की थी।

तब तत्कालीन कांग्रेस विधायकों के शिवदासन नायर, डोमिनिक प्रेजेंटेशन और एम ए वहीद पर एलडीएफ विधायकों के के लतिका और जमीला प्रकाशम ने आरोप लगाया था कि जब वे मणि के बजट पेश करने का विरोध कर रहे थे, तो उन्होंने दोनों विधायकों को बाधित किया और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया।

न्यायमूर्ति पी कुन्हिकृष्णन ने इस आधार पर तीन कांग्रेस विधायकों के खिलाफ मामले को रद्द कर दिया कि शिकायतें और संज्ञान-पूर्व चरण में दर्ज बयान भादंसं की धाराएं 341 (गलत तरीके से बाधित करना) या 354 (महिलाओं का लज्जा भंग करना) के तहत अपराध के दायरे में नहीं आएंगे।

मामलों को रद्द करते हुए उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि दोनों धाराओं के तहत अपराधों का संज्ञान लेने वाला मजिस्ट्रेट अदालत का आदेश ''अवैध'' था।

अपने निर्णय का कारण बताते हुए, उच्च न्यायालय ने कहा कि राज्य के वित्त मंत्री द्वारा बजट पेश करने के खिलाफ विधानसभा में लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जा सकता है, लेकिन उन्हें ऐसा करने से नहीं रोका जा सकता क्योंकि यह उनका संवैधानिक कर्तव्य है।

उच्च न्यायालय ने कहा, इस आशय का कोई कानून नहीं है कि भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज होने के बाद वित्त मंत्री विधानसभा में बजट पेश नहीं कर सकते। लेकिन मंत्री खुद तय कर सकते हैं कि उनकी अंतरात्मा उन्हें ऐसा करने की अनुमति देती है या नहीं।

न्यायमूर्ति कुन्हिकृष्णन ने कहा, ''इसलिए, शिकायतकर्ता-एलडीएफ महिला नेताओं को उस दिशा में आगे बढ़ने का कोई अधिकार नहीं था, जिस दिशा से मंत्री आ रहे थे और उन्हें बजट पेश करने से रोक रहे थे और अगर कांग्रेस नेताओं ने उन्हें ऐसा करने से रोका, तो गलत तरीके से बाधित करने का अपराध नहीं बनता।''

कांग्रेस ने वित्त मंत्री पर रेस्तरां कारोबारी के अपमान का आरोप लगाया, माफी की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो का हवाला देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की जटिल प्रणाली को लेकर सवाल करने के लिए तमिलनाडु के एक रेस्तरां चेन के मालिक को अपमानित किया और यह घटना केंद्र सरकार के अहंकार को दर्शाती है। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि वित्त मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को छोटे व्यवसायियों तथा तमिलनाडु का अपमान करने के लिए माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने संवाददाताओं से कहा, एक बैठक के दौरान अन्नपूर्णा रेस्तरां श्रृंखला के मालिक श्रीनिवासन ने अलग-अलग जीएसटी दरों पर प्रकाश डाला था। उन्होंने कहा था कि मेरी मिठाई की दुकान है, जहां मिठाई पर पांच प्रतिशत, नमकीन पर 12 प्रतिशत, सादे बन पर शून्य प्रतिशत और क्रीम बन पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है। सुप्रिया के अनुसार, श्रीनिवासन ने वित्त मंत्री से कहा था कि इतनी जटिल जीएसटी के कारण कंप्यूटर भी हैंग हो जाता है और कर अधिकारियों को भी यह समझ नहीं आता, इसलिए जीएसटी को सरल बनाने की जरूरत है। उन्होंने दावा किया, इसके 24 घंटे के अंदर श्रीनिवासन को सीतारमण के सामने बुलाया जाता है और उनसे माफी मंगवाई जाती है। इस पूरी घटना का वीडियो बनवाया जाता है, फिर उस वीडियो को भाजपा की तमिलनाडु इकाई शेयर करती है। सुप्रिया ने आरोप लगाया, जब देश की वित्त मंत्री से किसी ने अपनी समस्याएं बताई, तो उसे सुलझाने के बदले, उसे डरा-धमकाकर माफी मंगवाना ज्यादा जरूरी समझा गया। यही मोदी सरकार में सत्ता का नशा है। उन्होंने कहा कि यह तमिलनाडु का भी अपमान है तथा इसके लिए वित्त मंत्री और भाजपा को माफी मांगनी चाहिए।

चेन्नई विनिर्माण संयंत्र को निर्यात के लिए उपयोग करने की तैयारी : फोर्ड

चेन्नई/नई दिल्ली। अमेरिकी वाहन विनिर्माता कंपनी फोर्ड ने शुक्रवार को कहा कि वह निर्यात के लिए वाहन बनाने हेतु अपने चेन्नई विनिर्माण संयंत्र का उपयोग करने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने बताया कि उसने इसकी सूचना तमिलनाडु सरकार को दे दी है। कंपनी ने 2021 में कहा था कि वह भारत में वाहनों का विनिर्माण बंद कर देगी, लेकिन अब उसने तमिलनाडु सरकार को एक आशय पत्र (एलओआई) दिया है, जिसमें निर्यात के लिए विनिर्माण हेतु चेन्नई संयंत्र का उपयोग करने के इरादे की पुष्टि की गई है।

फोर्ड ने बयान में कहा कि यह घोषणा फोर्ड नेतृत्व और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बीच उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान हुई बैठक के बाद की गई है। फोर्ड इंटरनेशनल मार्केट ग्रुप के अध्यक्ष के हार्ट ने कहा, इस कदम का उद्देश्य भारत के प्रति हमारी पर्यावरण अनुकूल प्रतिबद्धता दिखाना है क्योंकि हम नए वैश्विक बाजारों की सेवा के लिए तमिलनाडु में उपलब्ध विनिर्माण विशेषज्ञता का लाभ उठाने का इरादा रखते हैं।

फोर्ड ने कहा कि इस रणनीतिक कदम के तहत कंपनी की महत्वाकांक्षी 'फोर्ड+ विकास योजना' के तहत वैश्विक बाजारों में निर्यात के लिए विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सुविधा का पुनःनिर्माण किया जाएगा। हालांकि, उसने कहा कि विनिर्माण के प्रकार और अन्य विवरणों के बारे में आगे की जानकारी का खुलासा उचित समय पर किया जाएगा।

वक्फ बोर्ड कानून को रद्द करने की मांग के लिए जनजागृति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्र की भाजपा सरकार 1995 के वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव लाने जा रही है, और 'वक्फ संशोधन विधेयक 2024' पर संयुक्त संसदीय समिति का गठन करके जनता से अपने विचार व्यक्त करने की अपील की गई है।

इस संदर्भ में हिंदू जनजागृति समिति और अन्य हिंदू संगठनों ने बेंगलूरु के विजयनगर, चंदापुर और अन्य स्थानों पर जाकर ईमेल के माध्यम से जनता से अपने मत भेजने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करके ईमेल भेजने का अभियान आयोजित किया। इस अभियान में कई देशप्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वक्फ बोर्ड के लैंड जिहाद षड्यंत्र को जनता के सामने उजागर किया। इस अभियान का समर्थन करनेवाले लोग अपनी सम्मति व्यक्त की। हिंदू जनजागृति समिति कई वर्षों से वक्फ बोर्ड द्वारा किए जा रहे लैंड जिहाद घोटालों को उजागर करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसके तहत, कई जिला प्रशासन को याचिकाएं दी जा चुकी हैं और बेंगलूरु, बेलगावी सहित महाराष्ट्र के कई सीमावर्ती किलों में वक्फ बोर्ड द्वारा कब्जा किए जाने के प्रयासों को रोकने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल को जमानत भाजपा नीत केंद्र सरकार के लिए 'एक झटका' : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि 'आबकारी नीति घोटाला' मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के उच्चतम न्यायालय के आदेश से सच्चाई और न्याय के लिए लड़ने वाले सभी लोगों में उम्मीद जगी है। सिद्दरामय्या ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के लिए भी ''एक झटका'' है, जो अपने राजनीतिक प्रतिशोध के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है।

उच्चतम न्यायालय ने आबकारी नीति 'घोटाले' के संबंध में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार मामले में शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी और कहा कि लंबे समय तक जेल में रखना स्वतंत्रता से अन्यायपूर्ण तरीके से वंचित करने के समान है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि ''केजरीवाल को जमानत देने और उन्हें जेल से रिहा करने के आदेश ने देश की न्यायपालिका में हमारे विश्वास को और पुख्ता किया है।'' उन्होंने कहा, यह आदेश सच्चाई और न्याय के लिए लड़ने वाले सभी लोगों को उम्मीद देता है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उच्चतम न्यायालय का यह आदेश केंद्र की भाजपा सरकार के लिए एक झटका है, जो अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। नफरत की राजनीति में उतर चुकी नरेन्द्र मोदी की अगुआई वाली सरकार को इस अदालती आदेश से सबक लेना चाहिए और जाग जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आखिरकार सत्य और न्याय की जीत होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने केजरीवाल को 10 लाख रुपये के मुचलके और दो जमानत राशियों पर जमानत दी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए 10 मई को अंतरिम जमानत दी गई थी और दो जून को आत्मसमर्पण करने के बाद से वह जेल में हैं।

ऐसे शोध और अनुसंधान को बढ़ावा मिले जिससे भारत कृषि क्षेत्र में बने अग्रणी : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने वर्षा जल संरक्षण के लिए अधिकाधिक कार्य करने के साथ ही कृषि विश्वविद्यालयों में इस तरह के शोध और अनुसंधान को बढ़ावा दिए जाने पर बल देते हुए कहा है कि ऐसे कार्यों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि भारत कृषि क्षेत्र में विश्वभर में अग्रणी बन सके। बागडे शुक्रवार को कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के बारहवें स्थापना दिवस पर संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने विश्वविद्यालय के डेयरी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के भवन का भी लोकार्पण किया।

उन्होंने कहा कि उत्पादन, ग्रेडिंग, पैकिंग के काम घर में ही करने की शिक्षा प्रदान कर किसान हित में अधिकाधिक कदम उठाए जाएं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रसार शिक्षा के अंतर्गत किसानों के लिए क्रियान्वित केन्द्र व राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं का अधिकाधिक प्रसार किए जाने पर भी जोर दिया ताकि आम किसान को प्रत्यक्ष उनका लाभ सके।

उन्होंने कहा कि यह समय वर्षा का है। इस बार सभी स्थानों पर अच्छी वर्षा हो रही है। वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए सभी मिलकर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हर बार अच्छी वर्षा होगी, यह भरोसा नहीं किया जा सकता। इसलिए हो रही वर्षा के पानी को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि यह जलवायु परिवर्तन का दौर है। कृषि पर भी बहुत से संकट हैं।

इस दौर में अधिकाधिक पौधे लगाकर और प्राकृतिक खेती को अपनाकर ही हम देश का विकास कर सकते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि खेतों अंधाधूंध रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म हो रही है। इससे उत्पादित फसल के उपयोग से कैंसर जैसे असाध्य रोग हो रहे हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि प्राकृतिक खेती की ओर लौटा जाए। उन्होंने उद्यानिकी और कृषि में तकनीक के प्रयोग से अधिक उत्पादन का भी आह्वान किया।

बागडे ने कृषि शिक्षा के तहत युवाओं को खेती के लिए प्रेरित करने, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य कृषि उत्पादों में उद्यमिता विकास के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया। उन्होनें कहा कि खेती लाभकारी कैसे हो, इस पर सब मिलकर प्रयास करें। उन्होनें कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि यह सुखद है कि आजादी से पहले यहां कृषि शिक्षा के लिए इस तरह के प्रयास हुए हैं। उन्होंने खेती और पशुपालन के लिए व्यावहारिक सोच रखते हुए कार्य करने पर जोर दिया। इस अवसर पर राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सी आर चौधरी और सांसद राव राजेंद्र सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।

इससे पहले राज्यपाल ने कृषि शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि कृषि को स्वयं की उद्यमिता में बदलें। नौकरी की बजाय कृषि क्षेत्र को ही भविष्य के लिए चुनें ताकि देश आपके ज्ञान, अर्जित शिक्षा से कृषि क्षेत्र में अग्रणी बन सके। उन्होंने कृषि और पशुपालन से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनी भी देखी और सराहना की।

टंकी में गाय का शव मिलने के मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में एक निर्माणाधीन इमारत की पानी की टंकी में गाय का शव मिलने के बाद एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि भवन के मालिक मुफीद बंजारा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। हसनपुरा इलाके में सोडाला थाने के अंतर्गत आने वाली शिव कॉलोनी के लोगों ने भवन के आसपास से बदबू आने पर बृहस्पतिवार शाम हंगामा किया, जिसके बाद सिविल लाइंस क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक गोपाल शर्मा और नगर निगम के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। नगर निगम की टीम ने भवन मालिक द्वारा किए गए निर्माण को अवैध बताते हुए उसके कुछ हिस्से को तोड़ भी दिया।

सोडाला के थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया, पानी की टंकी में गाय का शव मिलने के बाद बृहस्पतिवार को स्थानीय निवासियों ने हंगामा किया। स्थानीय निवासियों ने भवन मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अवैध निर्माण पाए जाने पर नगर निगम की टीम ने इमारत के कुछ हिस्से को तोड़ने की कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात इमारत के मालिक मुफीद बंजारा के खिलाफ राजस्थान गोजातीय पशु (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रवास या निर्यात का विनियमन) अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

भाजपा अपने परिवार को मजबूत कर रही है इससे कांग्रेस वाले भयभीत : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी अपने परिवार को मजबूत कर रही है, जिससे कांग्रेस भयभीत है। राठौड़ ने यहां एक सवाल के जवाब में राहुल गांधी व कांग्रेस के दूसरे नेताओं की देशभर में हो रही आलोचना का समर्थन करते हुए कहा, कांग्रेसी नेताओं को घेरने की जरूरत भाजपा को नहीं है। कांग्रेस पार्टी के नेता तो स्वयं अपनों में घिरे हुए है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेश में जाकर भारत के नेतृत्व और आरक्षण जैसे विषयों पर अनर्गल बयान जारी करेंगे तो देश में उनके

वक्तव्य की निंदा तो की जाएगी। राठौड़ ने कहा कि वहीं भाजपा अपने परिवार को सुदृढ कर रही है इससे वे भयभीत हो रहे है इसमें तो कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने राज्य में 'बुलडोजर राजनीति' पर कहा कि अदालत ने अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के लिए कभी रोक नहीं लगाई। अतिक्रमण हटाना प्रशासन की प्राथमिकता है और रहेगी। उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोपों के सवाल पर कहा कि वाल्मीकि पहले डाकू थे लेकिन जब उन्हें ज्ञान का बोध हुआ तो वे महर्षि वाल्मीकि बन गए। उन्होंने कहा कि भाजपा में भ्रष्टाचार कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर कार्य कर रही है और भ्रष्टाचारियों पर कानून के अनुसार ही कार्रवाई की जाएगी। राठौड़ ने मुख्यमंत्री के 'राईजिंग राजस्थान' को लेकर किए गए सवाल के जवाब में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के राजस्थान में निवेश को लेकर किए जा रहे प्रयास सराहनीय और उत्साहवर्धक है।

दर्शन

संसदीय कार्य विभाग, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को बाबा रामदेव जयंती के अवसर पर मसूरिया स्थित बाबा बालीनाथ मंदिर पहुंचकर रामदेव जी महाराज के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर गुरु पूज्य बाबा बालीनाथ की समाधि के दर्शन किए एवं आशीर्वाद प्राप्त कर अखंड ज्योति के दर्शन किए।

महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने रामनगरिया आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव महिला एवं बाल विकास महेन्द्र सोनी ने निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं ओ पी बुनकर के साथ शुक्रवार को रामनगरिया के राजकीय विद्यालय स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी में संचालित रसोई घर, उसमें रखी पोषण सामग्री का अवलोकन किया और मुर्मूरे खा कर उसकी गुणवत्ता को जाँचा। उन्होंने सफाई और संचालन की दृष्टि से शौचालय का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने पोषण वाटिका का भी अवलोकन किया तथा आंगनबाड़ी में पेयजल और विद्युत कनेक्शन तथा अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। शासन सचिव सोनी और निदेशक बुनकर ने निरीक्षण के दौरान पूरक पोषाहार गुणवत्ता को स्वयं चेक किया साथ ही वहां पर महिलाओं से भी फीडबैक लिया।

इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं से उड़ान योजना का भी फीडबैक लिया। उन्होंने महिलाओं से आंगनबाडी केंद्र से मिल रहे योजनाओं के लाभ के बारे में जानकारी ली। जिसमें पीएमएमवीवाई योजना के लाभार्थियों से वार्तालाप कर फीडबैक लिया। उन्होंने वहां उपस्थित महिला पर्यवेक्षक को निर्देश दिए कि पीएमएमवीवाई योजना के पात्र लाभार्थियों का वेरीफाई एवं एसओ अनुमोदन को प्राथमिकता के साथ करवाना सुनिश्चित करे।

शासन सचिव सोनी और निदेशक बुनकर ने गर्भवती और धात्री माताओं तथा बच्चों के किये जाने वाले टीकाकरण और ममता कार्ड के बारे में जानकारी ली। उन्होंने राज्य में चल रहे राष्ट्रीय पोषण माह के तहत संचलित गतिविधियों की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने वहां उपस्थित बच्चों से कविता सुनी और उनका उत्साहवर्धन किया।उन्होंने पोषण ट्रैकर पर वृद्धि निगरानी के अंतर्गत लंबाई/ऊंचाई मापन के यन्त्रों का व्यावहारिक अवलोकन किया। पोषण ट्रैकर में डाटा कैसे दर्ज किया जाता है इसकी जानकारी ली।

स्वागत

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का अजमेर पहुंचने पर किशनगढ़ एयरपोर्ट पर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

जापान दौरे पर भजनलाल, ओसाका में प्रवासी राजस्थानियों से की आत्मीय भेंट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने ग्लोबल इंवेस्टमेंट सम्मिट 2024 के संदर्भ मे आज जापान प्रवास के दौरान ओसाका में अपनी बहुआयामी प्रतिभा से अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश एवं प्रदेश का मान बढ़ा रहे प्रवासी राजस्थानी समुदाय के साथ आत्मीय भेंट की तथा उनके साथ भारत और जापान के मध्य आर्थिक, सांस्कृतिक एवं रणनीतिक संबंधों पर विस्तृत चर्चा की। आज शाम तक सीएम जापान से इंडिया के लिए रवाना हो सकते है। साथ ही सीएम ने जापान में राजस्थान के सांस्कृतिक राजदूत की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे प्रवासी राजस्थानियों से अपने मातृ राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए आह्वान किया व राजस्थान की समृद्ध विरासत और आधुनिक विकास के अवसरों को जापानी समुदाय के समक्ष प्रस्तुत करने का आग्रह किया, जिससे दोनों देशों के मध्य आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध और अधिक सुदृढ़ हो सकें। मुख्यमंत्री ने जापान प्रवास के दौरान ओसाका में डाइकिन कंपनी में प्रस्तुतीकरण का अवलोकन एवं अनुसंधान एवं विकास केंद्र का भ्रमण किया।इस अवसर पर कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन से विस्तृत चर्चा की, उनकी उत्पादन प्रक्रिया का निरीक्षण किया, भविष्य की तकनीकी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया, राजस्थान में निवेश के अवसरों पर गहन विचार-विनिमय किया एवं उन्हें आगामी ग्लोबल इंवेस्टमेंट सम्मिट में सहभागिता हेतु सादर आमंत्रित किया। सीएम ने कहा राजस्थान को भारत की निवेश राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में हमारी सरकार प्रदेश में निवेश को प्रोत्साहित, औद्योगिक अवसंरचना को सुदृढ़, कुशल श्रमशक्ति को विकसित एवं व्यावसायिक सुगमता को बढ़ावा देने के लिए हर स्तर पर निरंतर प्रयासरत है।

आरटीडीसी एमडी सुषमा अरोड़ा ने किया निगम इकाइयों का निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यटन शासन सचिव रवि जैन एवं आरटीडीसी प्रबंधन निदेशक श्रीमती सुषमा अरोड़ा ने निगम अधिकारियों की टीम के साथ शुक्रवार को राजस्थान पर्यटन विकास निगम की होटल गणगौर, खासा कोठी, कैफेटेरिया पड़ाव नाहरगढ़ एवं शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील्स का निरीक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पर्यटन सचिव रवि जैन ने बताया कि प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिल सके, इसलिए निगम द्वारा संचालित इकाइयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निगम द्वारा संचालित होटल्स के प्रमोशन के लिए नवचार के साथ मार्केटिंग की जाएगी। बरसों से घाटे में चली आ रही आरटीडीसी को मुनाफे में लाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। आरटीडीसी निगम प्रबन्ध निदेशक सुषमा अरोड़ा ने बताया कि पधारो म्हारे देश के साथ हम देश-विदेश के पर्यटकों को राजस्थान पधारने का आमंत्रण देते है। इसलिए हमारी जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि राजस्थान आने वाले सभी पर्यटकों को आवास, भोजन एवं परिवहन की अच्छी सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा संचालित इकाइयों में खाने की क्वालिटी को सुधारने, स्टाफ के लिए ड्रेस कोड एवं आरटीडीसी की आय को बढ़ाने के लिए बंद पड़े दुर्ग कैफेटेरिया नाहरगढ़ एवं हवेली पन्ना मीणा आमेर फोर्ट को फिर से शुरू करने के लिए मौके पर जाकर वस्तुस्थिति को जाना। जल्द ही पर्यटकों की सुविधा के लिए शुरू करने के प्रयास किये जा रहे है। निगम प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हीलस का भी निरीक्षण कर जायजा लिया।

कांग्रेस गठबंधन हरियाणा और जम्मू कश्मीर में भारी बहुमत से बनाने जा रहा है सरकार : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट दावा किया है कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और उसका गठबंधन भारी बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं। पायलट जोधपुर में मीडिया से रूबरू होते हुए यह दावा किया। उन्होंने कहा कि इन दो राज्यों में चुनाव चल रहे हैं जहां प्रचार चालू हो चुका है। हरियाणा में दस साल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार है। ऐन मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री को बदलकर अपनी हार स्वीकार की है और जो माहौल पूरे हरियाणा में बना हैं उसको देखकर कहा जा सकता है कि कांग्रेस प्रचंड बहुमत से सरकार बनायेगी।

उन्होंने कहा मुझे लगता है ऐतिहासिक बहुमत हरियाणा की जनता कांग्रेस पार्टी को देगी और एक बार वहां पर दोबारा कांग्रेस सरकार बनने जा रही है। जम्मू कश्मीर के अंदर हमारे गठबंधन है और वहां बहुत सारे राजनीतिक षड्यंत्र रचे गए हैं, पिछले कही साल से और मैं उम्मीद करता हूं कि तीन चरण का चुनाव होगा और जब मतगणना होगी उसके बाद वहां पर दोबारा कांग्रेस और कांग्रेस के गठबंधन की सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि इंडिया गढ़बंधन एक राष्ट्रीय गठबंधन बना है वह लगातार आगे बढ़ रहा है, हम लोगों ने हरियाणा में भी कम्युनिस्ट पार्टी को एक सीट दी है यह इस बात को दिखलाता है कि कांग्रेस पार्टी सबको साथ लेकर चलना जानती है।आगे चल भी रही है। बाकी दो राज्य झारखंड एवं महाराष्ट्र, वहां पर भी चुनाव होने हैं। वह पार्टी वह सरकार जो एक राष्ट्र एक चुनाव कराने का दावा कर रहे थे, वैसा माहौल नहीं बना पा रहे हैं जहां निर्वाचन आयोग चार राज्यों के चुनाव एक साथ करा सकता है।

पायलट ने कहा कि राजस्थान में विधानसभा के उपचुनाव होने बाकी हैं और उत्तरप्रदेश में उपचुनाव होने है। उसकी भी घोषणा अभी हुई नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद जिस तरह का सरकार का रवैया रहा हैं। सदन और सदन के बाहर तमाम मुद्दों पर सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा है। जो बहुमत का अहंकार पिछले दस साल से था वह जनता ने गत चार जून को उतार दिया है। इसके बाद एक नई सच्चाई नई असलियत देश के सामने आई है।

उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी के आग्रह को स्वीकार कर नेता प्रतिपक्ष बने हैं और जिस प्रकार वह सरकार के जवाबदेही तय कर रहे हैं। वह भी अपने आप में एक बदले हुए माहौल को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जब भी भाजपा बैकफुट पर आती है वह सीधा राहुल गांधी को टारगेट करते हैं। वह कुछ बयान देते हैं सरकार को कटघरे में खड़ा करते हैं तो केंद्र सरकार उनके ऊपर लांछन लगाना, विरोध करना इनकी आदत बन चुकी है। लेकिन हमें पूरा विश्वास है कांग्रेस पार्टी लगातार मजबूती से आगे बढ़ रही है और नई ऊर्जा कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को मिली है।

कई राज्यपाल हस्तक्षेप और राजनीति कर रहे हैं : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पश्चिम बंगाल में राज्यपाल व मुख्यमंत्री बीच जारी 'गतिरोध' पर टिप्पणी करते हुए शुक्रवार को कहा कि कई राज्यों में राज्यपाल हस्तक्षेप और राजनीति करते हैं। इसके अलावा गहलोत ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा की सफलता से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बौखला गई है और उनकी यात्रा को लेकर तमाम तरह के झूठ फैला रही है। गहलोत ने दिल्ली रवाना होने से पहले यहां मीडिया द्वारा पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के एक बयान के बारे में पूछे जाने पर कहा, वहां के राज्यपाल के साथ-साथ कई जगहों (राज्यों) के राज्यपाल हस्तक्षेप और राजनीति करते हैं। मैं पहली बार देख रहा हूं पूरे देश में कई राज्यों में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच टकराव सामने आ रहा है। यह ठीक नहीं है।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने बृहस्पतिवार को कहा था कि आरजी कर अस्पताल मामले पर गतिरोध को लेकर लोगों के गुस्से को देखते हुए वह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ कोई भी सार्वजनिक मंच साझा नहीं करेंगे। आरजी कर मामले से जुड़े एक अन्य सवाल के जवाब में गहलोत ने कहा कि बंगाल की घटना गंभीर

थी और वहां की पुलिस भी ढंग से मामले को संभाल नहीं पाई।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा को सफल बताते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा इससे बौखला गई है। कांग्रेस नेता गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा कि भाजपा द्वारा 15-20 साल तक बदनाम करने के प्रयासों के बावजूद राहुल गांधी अब देश की आशा एवं अपेक्षा का केन्द्र बिन्दु बन गए हैं। उन्होंने कहा कि इससे भाजपा इतनी हताश और आक्रामक हो गई है कि देश की राजधानी दिल्ली में भाजपा के नेता खुलेआम राहुल गांधी की हत्या की बातें कर रहे हैं।

गहलोत ने लिखा कि ऐसे बयानों पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की चुप्पी हैरान करने वाली है और यह दिखाता है कि अपनी सत्ता कायम रखने के लिए भाजपा किस हद तक जा सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा की सफलता से भाजपा पूरी तरह बौखला गई है और इस यात्रा को लेकर देशभर में अफवाह फैला रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान बदलने एवं आरक्षण खत्म करने के इरादे जाहिर करने वाली भाजपा को जनता ने अच्छा सबक सिखाया, इसके बावजूद भाजपा आरक्षण पर झूठ बोलने से बाज नहीं आ रही है।

गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा है कि समाज में समानता लाने के लिए आरक्षण जरूरी है और आवश्यकता के अनुरूप इसकी सीमा भी बढ़ानी चाहिए। कांग्रेस नेता ने लिखा कि राहुल गांधी देश में सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं जिसे वो अंजाम तक लेकर जाएंगे और आरक्षण से खिलवाड़ करने के भाजपा के इरादे को कभी पूरा नहीं होने देंगे।

दृढ़ इच्छाशक्ति, आपसी समन्वय और संवाद से महज दो वर्ष में 'इंसेफेलाइटिस' पर पाया काबू : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दावा किया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, आपसी समन्वय और संवाद से महज दो वर्ष में 'इंसेफेलाइटिस' यानि दिमागी बुखार पर काबू पाया गया है।

डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी ने वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन और नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कई प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोफेसर जेआर को मेडल-सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस मौके पर अपने संबोधन में योगी ने कहा कि पांच वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश इंसेफेलाइटिस से ग्रस्त था। वहां 15 जुलाई से 15 नवंबर के बीच 1200 से 1500 मौतें हुईं थीं। अकेले गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 500 से 700 मौतें हुईं थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह क्रम पिछले 40 वर्ष से चल रहा था। इस दौरान 50 हजार बच्चों की मौतें हुईं लेकिन पिछली सरकारों का इससे कोई लेना-देना नहीं था। जब इसे रोकने के लिए सुविधा देनी होती थी तो वह भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते थे। उन्होंने कहा, यह तंत्र की नाकामी थी। मैंने सांसद रहते हुए सड़क से लेकर सदन तक मुद्दा उठाया, जिसके बाद काम शुरू हुआ।

योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को श्रेय देते हुए कहा, मोदी ने इंफेसेलाइटिस पर लगाम लगाने के लिए गोरखपुर को एम्स दिया। वहीं 2017 में मुख्यमंत्री बनने पर इसे खत्म करने की जिम्मेदारी मेरी हो गयी। इस पर काम शुरू किया गया और वर्ष 2019 में इस पर नियंत्रण पा लिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा, उसी का परिणाम है कि आज पूर्वी उत्तर प्रदेश इंसेफेलाइटिस से मुक्त हुआ है। आज यहां पर मौत जीरो हो गयी हैं। यह दृढ़ संकल्प और आप सभी के सहयोग से हो पाया है, जबकि इसके खात्मे के बारे में पहले कोई सोच नहीं सकता था।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 'इंसेफेलाइटिस' को लेकर इस बार भी दो बार सर्वे कराया गया, जिसमें सामने आया कि एक भी बच्चे की मौत नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि आज पूर्वी उत्तर प्रदेश खुशहाल है। यह सब बेहतर समन्वय और संवाद से हो पाया।

हिमाचल में हिंदुओं की एकजुटता से वक्फ बोर्ड को झुकना पड़ा : गिरिराज

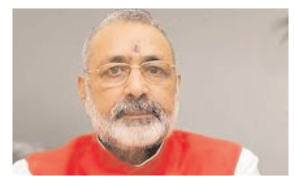

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने हिमाचल प्रदेश के शिमला में संजौली मस्जिद के अनाधिकृत हिस्से को स्वयं गिराने की मुस्लिमों की पेशकश पर शुक्रवार को यहां कहा कि हिंदुओं ने एकजुटता का प्रदर्शन किया, जिससे वक्फ बोर्ड को झुकना पड़ा।

गिरिराज सिंह ने यहां यमुनापार नैनी के महेवा में स्थापित शिल्प ग्राम का उद्घाटन करने के बाद कहा, हिमाचल प्रदेश पूरे देश को यह संदेश देता है कि जब तुम (हिंदू) एकजुट रहोगे तो दुनिया की कोई ताकत नहीं.. ना तो कोई गोरा आएगा और ना ही मुगल आएगा। उन्होंने मठाधीश और माफिया को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश के बयान पर कहा, आज टुकड़े-टुकड़े गिरोह के सदस्य चाहे राहुल गांधी हों या अखिलेश यादव हों, उन्हें अपराधियों में भी जाति दिखाई देती है। वहीं योगी जी को अपराधी केवल अपराधी दिखाई देते हैं। यही अंतर योगी जी और अखिलेश यादव में हैं। अखिलेश ने अपने कार्यकाल में केवल जाति देखी और गुंडागर्दी को बढ़ावा दिया। गिरिराज ने प्रधान न्यायाधीश के घर गणेश पूजन में प्रधानमंत्री की उपस्थिति को लेकर मची सियासत पर कहा, टुकड़े टुकड़े गिरोह के लोग टोपी पहनकर हामिद (पूर्व उपराष्ट्रपति) के घर जाएंगे और बकरीद पर मौजूद रहेंगे तो अच्छा, अगर कोई आंतकियों के लिए रात को दरवाजे खोले तो केजरीवाल, राहुल गांधी और अखिलेश को अच्छा लगेगा।

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन : सरकार के एक मंत्री ने अदालत में समर्पण किया, दूसरे मंत्री के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

मुजफ्फरनगर/भाषा। आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में उत्तर प्रदेश सरकार के कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने शुक्रवार को अपने खिलाफ गैर जमानती वारंट वापस लेने के लिए यहां की स्थानीय सांसद/विधायक अदालत में समर्पण कर दिया। वहीं आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के एक अन्य मामले में राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। अदालत ने जारी वारंट वापस लेने और 25,000 रुपए की दो जमानत देने के बाद अग्रवाल को रिहा करने का आदेश दिया। मामले में अगली सुनवाई 27 सितंबर को होगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, सांसद/विधायक अदालत के विशेष न्यायाधीश देवेंद्र सिंह फौजदार ने अग्रवाल के खिलाफ गैर जमानती वारंट वापस लेने और 25,000 रुपए की दो जमानत देने के बाद उनको रिहा करने का आदेश दिया।

आरजी कर मामले में ममता बनर्जी का इस्तीफा राष्ट्रहित में होगा : विजयवर्गीय

भोपाल/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश के काबीना मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शुक्रवार को कहा कि अगर ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देती हैं तो यह देश और प्रदेश दोनों के हित में होगा।

कोलकाता के आरजी कर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में दुष्कर्म के बाद एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की हत्या के मामले में बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ रहा है। जूनियर डॉक्टरों ने इस घटना के विरोध में काम बंद कर रखा है। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने बातचीत का सीधा प्रसारण नहीं होने तक मुख्यमंत्री से मिलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह जनता की खातिर इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। विजयवर्गीय ने कहा, अगर बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देती हैं, तो यह देश और पश्चिम बंगाल, दोनों के हित में होगा। जिस दिन वह इस्तीफा दे देंगी, उस दिन से राज्य में मानवाधिकारों का संरक्षण हो सकेगा। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में जनता के साथ 'अमानवीय' और 'असंवैधानिक' कृत्य हो रहे हैं।

झामुमो नीत गठबंधन झारखंड में वोट बैंक के लिए बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रहा है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने उच्च न्यायालय को यह बताया है कि राज्य में अवैध बांग्लादेशी प्रवासी रह रहे हैं जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन सरकार अपने 'वोट बैंक' के लिए इस बात को नकार रही है।

केंद्र सरकार ने झारखंड उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति अरुण कुमार राय की खंडपीठ के समक्ष बृहस्पतिवार को दायर हलफनामे में कहा कि बांग्लादेशी अवैध रूप से साहेबगंज और पाकुड़ जिले के रास्ते झारखंड में घुस आए हैं। इसमें कहा गया कि आदिवासियों के 'ज्यादा धर्मांतरण करने और कम जन्म दर' के कारण जनजातीय आबादी में 'काफी कमी' आई है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि वे लंबे समय से इस मुद्दे को उठा रहे हैं लेकिन झामुमो नीत गठबंधन सरकार घुसपैठ के खतरे से इनकार करती रही है।

अमर बाउरी ने भाजपा के राज्य मुख्यालय में बृहस्पतिवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, ''झामुमो नेतृत्व वाली सरकार वोट बैंक और तुष्टिकरण की नीति के लिए झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने में लगी हुई है।''

बाउरी ने कहा, ''केंद्र के अनुसार 1961 में संथाल परगना की कुल जनसंख्या 23,22,092 थी, जिसमें हिंदू आबादी 90.37 प्रतिशत, मुस्लिम आबादी 9.43 प्रतिशत और आदिवासी आबादी 44.67 प्रतिशत थी।

सपा-बसपा गठबंधन टूटने को लेकर मायावती और अखिलेश के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। साल 2019 लोकसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का गठबंधन टूटने के मामले पर मायावती और अखिलेश यादव के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है।

बसपा प्रमुख मायावती ने अखिलेश के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि लोकसभा चुनाव-2019 में उत्तर प्रदेश में बसपा के 10 व सपा के पांच सीट जीतने के बाद गठबंधन टूटने के बारे में उन्होंने सार्वजनिक तौर पर भी यही कहा कि सपा प्रमुख ने उनके फोन का भी जवाब देना बंद कर दिया था। उन्होंने कहा, ''बीएसपी सैद्धान्तिक कारणों से गठबंधन नहीं करती और अगर बड़े उद्देश्यों को लेकर कभी गठबंधन करती है तो फिर उसके प्रति ईमानदार भी जरूर रहती है। सपा के साथ सन 1993 व 2019 में हुए गठबंधन को निभाने का भरपूर प्रयास किया गया, किन्तु 'बहुजन समाज' का हित व आत्म-सम्मान सर्वोपरि है।'' मायावती ने पार्टी द्वारा कार्यकर्ताओं के बीच बांटी जाने वाली 'बहुजन समाज पार्टी पुस्तिका' में सपा से गठबंधन टूटने के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी है। इससे पहले, बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम में जब पत्रकारों ने पूर्व मुख्यमंत्री यादव से बसपा की इस पुस्तिका में किए गए खुलासे के बारे में पूछा तो उन्होंने जवाब दिया, ''जिस समय गठबंधन टूटा, उस समय मैं आजमगढ़ में एक सभा में मंच पर था। सपा और बसपा के कार्यकर्ता व नेता वहां मौजूद थे। किसी को नहीं पता था कि गठबंधन टूटने जा रहा है। मैंने यह पूछने के लिए खुद फोन मिलाया था कि आखिरकार यह गठबंधन क्यों तोड़ा जा रहा है। बसपा नेता सतीश चंद्र मिश्रा ने यादव पर निशाना साधा। उन्होंने शुक्रवार को 'एक्स' पर लिखा,''मैं सभी को यह बताना चाहता हूं कि 2019 के लोकसभा आम चुनाव में बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के गठबंधन टूटने की वजह सपा मुखिया खुद हैं। उन्होंने कहा कि बहनजी (मायावती) के फोन करने से पहले उन्होंने खुद सपा प्रमुख को फोन किया, लेकिन बात नहीं हो पाई।

मिश्रा ने कहा कि इसके बाद पार्टी कार्यालय से फोन किया गया और एक बार फिर सपा प्रमुख से बात नहीं करायी गई।

मिश्रा ने कहा कि फिर भी बसपा प्रमुख ने बड़े होने के नाते सपा प्रमुख को फोन करके हौसला बढ़ाने की कोशिश की थी लेकिन उन्होंने बात नहीं की। उन्होंने कहा कि इस सबके परिणामस्वरूप बसपा को गठबंधन तोड़ना पड़ा।

अदाणी मामले की जांच अपने नियंत्रण में ले उच्चतम न्यायालय : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय को अदाणी समूह से जुड़ी जांच का नियंत्रण अपने हाथ में लेना चाहिए तथा 'घोटाले' की पूरी जांच के लिए तत्काल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन होना चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह मांग करने के साथ ही एक खबर का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया है कि स्विट्जरलैंड की एक सरकारी संस्था ने अदाणी समूह से जुड़े एक व्यक्ति के 31.1 करोड़ डॉलर (2,610 करोड़ रुपए) वाले पांच बैंक खातों से लेन-देन पर रोक लगा दी है। अमेरिकी संस्था 'हिंडेनबर्ग रिसर्च' की रिपोर्ट में अदाणी समूह पर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे और इसको लेकर कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर निरंतर हमले कर रही है। अदाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज किया है। रमेश ने एक बयान में कहा, ''खबरों से पता चला है कि स्विस लोक अभियोजक कार्यालय ने स्विट्जरलैंड के धनशोधन रिपोर्टिंग कार्यालय की जांच के बाद लंबे समय से अदाणी के विश्वासपात्र चांग चुंग-लिंग के 31.1 करोड़ डॉलर (2,610 करोड़ रुपए) वाले पांच खातों को 'फ्रीज' (लेन-देन पर रोक) कर दिया है।''

ओडिशा सरकार गोहत्या निवारण अधिनियम में संशोधन करेगी : मुख्यमंत्री माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को घोषणा की कि पशु क्रूरता को कम करने के लिए उनकी सरकार की योजना ओडिशा गोहत्या निवारण अधिनियम, 1960 में संशोधन करने की है। उन्होंने यह टिप्पणी पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय द्वारा आयोजित 'मानसून मीट' के दौरान की।

माझी ने गांवों में पशुपालन का दायरा बढ़ाकर, पशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर, मत्स्यपालन और मधुमक्खी पालन के जरिये छोटे-सीमांत किसानों के जीवनस्तर में सुधार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, '' नई सरकार को अभी अपने शुरुआती 100 दिन पूरे करने हैं, लेकिन ओडिशा ने सभी क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलावों के लिए एक खाका तैयार कर लिया है, जिसका लक्ष्य तत्काल और दीर्घकालिक विकास दोनों है।''

माझी ने कहा कि दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उनकी सरकार ने 'मुख्यमंत्री कामधेनु योजना' बनाई है जिसके तहत अगले पांच साल में 1,423.47 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''इस पहल से छोटी डेयरी इकाइयों को सहायता मिलेगी, बछड़ों के लिए रियायती दर पर चारा उपलब्ध होगा, पशुधन बीमा कवरेज में वृद्धि होगी तथा डेयरी सहकारी समितियों को मजबूती मिलेगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा ओडिशा ने राज्य दुग्ध सहकारी समितियों को मजबूत करने और दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य एनडीडीबी के साथ मिलकर बेहरामपुर में एक टीका उत्पादन इकाई और भुवनेश्वर में एक अत्याधुनिक फीड विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए भी सहयोग कर रहा।

ओडिशा सरकार ने पुरी समुद्र तट पर शराब परोसने से जुड़ा फैसला वापस लिया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने पुरी समुद्र तट पर शराब परोसने के लिए झोपड़ियां (शैक) स्थापित करने का अपना निर्णय को वापस ले लिया है। पुरी शंकराचार्य और विभिन्न सामाजिक सांस्कृतिक संगठनों ने सरकार के इस कदम का विरोध किया था। आबकारी विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया कि पुरी नगर पालिका के अधिकार क्षेत्र में या किसी सामाजिक-धार्मिक या सांस्कृतिक महत्व के स्थल के पांच किलोमीटर के दायरे में समुद्र तट पर बनी झोपड़ियों (शैक) को शराब का लाइसेंस नहीं दिया जाएगा। तीस अगस्त को घोषित राज्य की नई आबकारी नीति में पर्यटकों के मनोरंजन और राजस्व को बढ़ाने के लिए समुद्र, नदियों, झीलों और बांधों के पास स्थापित झोपड़ियां को शराब परोसने की अनुमति दी गई थी। यह विवाद तब उत्पन्न हुआ जब ओडिशा पर्यटन विकास निगम ने समुद्र तट पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पुरी से कोणार्क तक समुद्र तट पर शराब परोसने वाली झोपड़ियां स्थापित करने के लिए बोलियां आमंत्रित की।

मृदा के तेज आकलन के लिए प्रभावी है डीआरएस मॉडल: आईआईटी खड़गपुर अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर द्वारा इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर द सेमी-अरिड टॉपिक्स हैदराबाद के सहयोग से किए गए एक अध्ययन ने मिट्टी के तेज आकलन के लिए डिफ्यूज रिफ्लेक्टेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी (डीआरएस) मॉडल की दक्षता को मान्य किया है। आईआईटी खड़गपुर ने एक बयान में कहा कि डीआरएस पद्धति 17 मृदा मापदंडों में से 8 का अनुमान लगाने में 80 प्रतिशत तक की सटीकता के साथ प्रभावी पाई गई।

राम मंदिर में सफाईकर्मी के रूप में काम करने वाली छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, पांच लोग गिरफ्तार

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर में सफाई कर्मी के रूप में काम करने वाली 20 वर्षीय एक युवती द्वारा नौ लोगों पर कथित रूप से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाये जाने के बाद पुलिस ने अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पीड़िता बीए अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रही है। अयोध्या के कैंट थाने में छात्रा द्वारा दर्ज कराई गयी प्राथमिकी के अनुसार, 16 से 25 अगस्त के बीच तीन अलग-अलग मौकों पर उससे सामूहिक दुष्कर्म किया गया। कैंट के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अमरेंद्र प्रताप सिंह ने शुरू में 'पीटीआई-भाषा' को बताया था, प्राथमिकी दो सितंबर को दर्ज की गई और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार दोपहर को अयोध्या के पुलिस अधीक्षक (शहर) मधुवन सिंह ने दो और गिरफ्तारियों की पुष्टि की। सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किये लोगों की पहचान वंश, विनय, शारिक, शिवा और उदित के रूप में हुई है।

सूर्यकुमार ने भारत के युवा खिलाड़ियों से कहा

खुद पर भरोसा रखें, आप सब विशिष्ट कौशल के धनी हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारत के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने शुक्रवार को यहां भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल खिलाड़ियों को अपने अद्वितीय कौशल का अच्छी तरह से इस्तेमाल करने, टीम के रूप में एकजुट होने और प्रक्रिया पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

खेल के सबसे छोटे प्रारूप से रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद भारत के टी20 कप्तान नियुक्त किए गए 33 वर्षीय सूर्यकुमार ने भारत की जूनियर टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 सितंबर से शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अंडर-19 क्रिकेटरों के साथ बातचीत की।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर पोस्ट किया,''भारत की लड़कों की अंडर-19 टीम में शामिल खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ श्रृंखला की तैयारियों के तहत राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपने शिविर के इतर भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ बातचीत करने का सुनहरा अवसर मिला।''

एनसीए के एक सूत्र ने कहा कि सूर्यकुमार ने लड़कों से कहा कि वे अपने अद्वितीय कौशल के साथ पूरा न्याय करें और प्रक्रिया पर भरोसा रखें।

सूर्यकुमार ने कहा,''आप जैसे हो हमेशा वैसे ही बने रहना। आप में से प्रत्येक के पास एक विशिष्ट कौशल है और उसके साथ पूरा न्याय करें। प्रक्रिया और दिनचर्या पर अधिक ध्यान केंद्रित करें। परिणाम स्वयं ही आपके अनुकूल होगा।''

टीम में भारत के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ भी हैं। उत्तर प्रदेश के मोहम्मद अमान एक दिवसीय टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि सोहम पटवर्धन चार दिवसीय मैचों में टीम का नेतृत्व करेंगे।

भारत अंडर-19 टीम पुडुचेरी में 21, 23 और 26 सितंबर को 50 ओवर के तीन मैचों में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 से भिड़ेगी। इसके बाद 30 सितंबर से चेन्नई में दो चार दिवसीय मैच होंगे।

एआईएफएफ में आमूलचूल बदलाव करने का समय आ गया है: भूटिया

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) में मौजूदा पदाधिकारियों को बर्खास्त करने की मांग करते हुए हाल के दिनों में राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय संस्था को जिम्मेदार ठहराया। भूटिया ने एआईएफएफ की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि भारतीय फुटबॉल के लिए रोडमैप के अभाव के कारण हाल ही में तीन देशों के इंटरकॉन्टिनेंटल कप में भारत को घरेलू धरती पर सीरिया (0-3) के हाथों शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा और मॉरीशस (0-0) के खिलाफ मैच ड्रा रहा। पूर्व भारतीय कप्तान ने एआईएफएफ प्रशासन में आमूलचूल बदलाव की मांग की। उन्होंने पीटीआई वीडियो से कहा,''मेरा मानना है कि यह अच्छा संकेत नहीं है। पिछले कुछ समय से हमारे प्रदर्शन में लगातार गिरावट आ रही है। हम पहले शीर्ष 100 में शामिल थे लेकिन अब 125वें स्थान पर खिसक गए हैं। मुझे लगता है कि फुटबॉल को एक नए शासी निकाय और चुनाव तथा नई शुरुआत की जरूरत है। नहीं तो फुटबॉल में हमारा स्तर लगातार गिर रहा है।''

बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का अभ्यास, कोहली ने की लंबी बल्लेबाजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। एक महीने के ब्रेक के बाद भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है और पहले अभ्यास सत्र में चैम्पियन बल्लेबाज विराट कोहली ने नेट पर 45 मिनट बिताये जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी जमकर अभ्यास किया। बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट 19 सितंबर से खेला जायेगा । कप्तान रोहित शर्मा, कोहली समेत पूरी टीम यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम पर एकत्र हुई । नये गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल और सहायक कोच अभिषेक नायर भी मौजूद थे । बीसीसीआई ने पहले दिन के अभ्यास की तस्वीरें साझा करके लिखा ,'' उलटी गिनती शुरू । टीम इंडिया ने रोमांचक घरेलू सत्र के लिए तैयारी शुरू कर दी ।''

तस्वीरों में दिखाया गया है कि पूरी टीम गंभीर, सहयोगी स्टाफ और कप्तान रोहित की बात ध्यान से सुन रही है । एक स्थानीय सूत्र ने बताया ,'' विराट करीब 45 मिनट वहां था और बुमराह ने भी लगातार गेंदबाजी की ।'' इससे पहले पीली जर्सी पहने रोहित सुरक्षाकर्मियों के घेरे में हवाई अड्डे से बाहर निकले जबकि विराट लंदन से सीधे तड़के यहां पहुंचे हैं । तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, बल्लेबाज केएल राहुल, विकेटकीपर बल्लेबाज पंत बृहस्पतिवार को ही यहां पहुंच गए थे। खिलाड़ी एक महीने से अधिक के ब्रेक के बाद मैदान पर लौटेंगे । अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में भारत को पराजय का सामना करना पड़ा था। नये कोच गौतम गंभीर के साथ यह पहली टेस्ट श्रृंखला है । बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान को टेस्ट श्रृंखला में 2.0 से हराया है । यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है । भारत को इसके बाद न्यूजीलैंड से तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला और आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला खेलनी है ।

सुविचार

जिंदगी में मंज़िले तो मिल ही जाती हैं, लेकिन वो लोग नहीं मिलते जिन्हें दिल से चाहा हो!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अवैध धर्मांतरण रोकें

उत्तर प्रदेश में एनआईए की विशेष अदालत ने अवैध धर्मांतरण के मामले में एक दर्जन लोगों को दोषी करार देकर ऐसे कृत्यों में लिप्त लोगों / संगठनों को कड़ा संदेश दिया है। अदालत ने 12 लोगों को उम्रकैद और चार अन्य दोषियों को 10-10 साल कैद की सजा सुनाई। हमें अब इस तथ्य को स्वीकार करना होगा कि अवैध धर्मांतरण एक गंभीर समस्या है। यह देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए तो खतरा है ही, इससे सामाजिक सद्भाव भी खतरे में पड़ जाता है। भारत में हर नागरिक को स्वतंत्रता है कि वह अपनी आस्था का पालन करते हुए जीवन बिताए। इसके साथ उसका कर्तव्य है कि वह दूसरों की आस्था का भी सम्मान करे। यहां हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी, यहूदी समेत सभी धर्मों के ज्यादातर अनुयायी एक-दूसरे की आस्था का सम्मान करते हैं। ऐसे अनेक उदाहरण मौजूद हैं, जब विभिन्न समुदायों के लोग 'सेवा' और 'मानवता' जैसे आदर्शों के लिए एकजुट हुए। ऐसे कार्यों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, लेकिन जो लोग 'मदद' के नाम पर धर्मांतरण का 'कपट धंधा' करते हैं, उन्हें दंड मिलना चाहिए। कोई व्यक्ति बीमार है, उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, घर में अनाज नहीं है, उसके बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए कोई व्यवस्था नहीं है ... क्या उसकी मदद इसी शर्त पर करनी चाहिए कि वह अपनी आस्था को छोड़े और धर्मांतरण कर ले? फिर तो यह 'सेवा' नहीं, बल्कि 'सौदा' है और बहुत बुरा सौदा है। छल-कपट, लालच, धोखे और बहला-फुसलाकर धर्मांतरण कराने से कालांतर में कई समस्याएं पैदा होती हैं। प्राय: धर्मांतरण कराने के लिए संबंधित व्यक्ति के मन में उसके पूर्वजों, मान्यताओं और आस्था के खिलाफ कई भ्रामक बातें भर दी जाती हैं। क्या इससे सामाजिक सद्भाव नहीं बिगड़ेगा?

कुख्यात आतंकवादी संगठन आईएसआईएस जब अपनी क्रूरता के चरम पर था, तब यूरोप समेत दुनिया के कई इलाकों से नौजवान उसमें भर्ती होने के लिए इराक व सीरिया गए थे। उनमें से कई तो अमेरिकी नेतृत्व वाले सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए। जो किसी तरह बच गए और कैद कर लिए गए, मीडिया में उनके साक्षात्कार प्रसारित किए गए। पता चला कि उनमें बहुत युवा ऐसे थे, जिनका पहले आतंकवाद से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं था। वे अपनी पढ़ाई करते, कामकाज करते। इसी दौरान वे ऐसे लोगों के संपर्क में आए, जिन्होंने दुष्प्रचार कर उनका ब्रेनवॉश कर दिया। कई युवा ऐसे भी थे, जिन्होंने कुछ महीने / साल पहले धर्मांतरण किया था। उनके मन में अन्य समुदायों के खिलाफ नफरत भरी गई थी। जो लोग ऐसे 'चक्कर' में जल्दी फंस जाते हैं, उनमें से ज्यादातर वे होते हैं, जिन्हें घर-परिवार या समाज में कोई सही मार्गदर्शन देने वाला नहीं होता। किशोरों / युवाओं और बुजुर्गों के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं। बच्चों की शिकायत यह होती है कि बड़े हमारी बात समझना नहीं चाहते और बड़ों की शिकायत यह होती है कि आजकल के बच्चे उन 'नियम-कायदों' से दूर हो रहे हैं, जो हमारे 'ज़माने' में थे! इन दूरियों का फायदा कोई 'तीसरा' उठाता है। एक कड़वी हकीकत यह है कि समाज में जिन लोगों को किसी सलाह / मार्गदर्शन की जरूरत होती है, वह उन्हें आसानी से नहीं मिलती। उदाहरण के लिए- एक किशोर, जिसके परिवार में ज्यादातर लोग कामकाजी हैं, किसी दिन सोशल मीडिया पर ऐसा वीडियो देखता है, जिसमें उसकी आस्था पर सवाल उठाए जाते हैं। क्या सच में ऐसा है? वह इसका जवाब माता-पिता से हासिल करना चाहता है, लेकिन उनके पास समय नहीं है। वे कहते हैं कि 'ऐसी बातें बंद कर, पढ़ाई पर ध्यान दे।' बुजुर्गों से पूछता है तो वे कहते हैं कि 'कैसा ज़माना आ गया! ऐसी बातें नहीं सोचनी चाहिएं।' उसके दोस्तों में भी ऐसा कोई नहीं, जो संतोषजनक जवाब दे सके। स्कूल में अध्यापकों पर पाठ्यक्रम पूरा कराने का दबाव है। आखिर में वह बच्चा ऐसे ही किसी 'चक्कर' में फंसता है। क्या हम अपने मंदिरों को पूजा-पाठ के साथ ही सर्वसमाज को एकजुट रखने के केंद्र नहीं बना सकते? वहां हर हफ्ते स्वास्थ्य, परिवार, शिक्षा, वित्तीय मामलों, कानूनी मामलों, निजी समस्याओं के समाधान के लिए परामर्श सत्रों का आयोजन किया जा सकता है। समाज के समृद्ध लोगों को भी आगे आना चाहिए। याद रखें, आपकी संपत्ति व समृद्धि तब तक ही सुरक्षित हैं, जब तक समाज सुरक्षित है। सियालकोट, पेशावर, क्वेटा, लाहौर, कराची, रावलपिंडी जैसे शहरों में आलीशान हवेलियां बनाकर सदियों से रहने वाले धनपतियों को जब यह बात समझ में आई, तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को गहलोत जी द्वारा सम्मान मिल रहा है। गोपाल केसावत, पूर्व चेयरमैन राजस्थान घुमंतू बोर्ड, एसीबी द्वारा ठ्झड्उ परीक्षा में रिश्वत लेते पकड़े गए हैं, और वे आज गहलोत जी के साथ हैं।

-मदन राठौड़

लीलण घोड़ी सोवणी मोतीया जड़ी लगाम। खरनालीया तेजो जी थाने झुक झुक प्रणाम।। सामाजिक समरसता के पक्षधर एवं गौ रक्षक परम आराध्य लोक देवता वीर तेजा जी महाराज की तेजा दशमी के अवसर पर उनके चरणों में मेरा कोटिश: नमन।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

सत्यता की परीक्षा

स्वामी विवेकानंद अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस के अनन्य भक्त थे। लेकिन वे केवल उन्हीं बातों को स्वीकार करते थे, जो उन्हें तार्किक लगती थीं। यदि कोई बात उन्हें उचित नहीं लगती थी, तो वे तुरंत प्रश्न-प्रतिप्रश्न किया करते थे। दरअसल, स्वामी रामकृष्ण परमहंस कहा करते थे कि धन उन्हें स्वीकार्य नहीं है। धन उन्हें मानसिक और शारीरिक कष्ट दोनों देता है। स्वामी विवेकानंद ने इस बात की परीक्षा लेने का निर्णय किया कि क्या वाकई परमहंस जी को धन से कष्ट होता है? एक बार विवेकानंद जी ने चुपके से एक सिक्का परमहंस जी के बिस्तर के नीचे छिपा दिया। जब परमहंस जी बिस्तर पर लेटे, तो उन्हें शारीरिक कष्ट महसूस हुआ और वे बिस्तर से उठ गए। उनके शिष्यों ने बिस्तर को झाड़ा तो वह सिक्का नीचे गिर गया। फिर जब रामकृष्ण परमहंस जी बिस्तर पर पुन: बैठे, तो उन्हें अब कोई कष्ट नहीं हुआ। स्वामी विवेकानंद ने अन्य शिष्यों के साथ इस घटनाक्रम को देखा और इस घटना के बाद उनके मन में अपने गुरु के प्रति आस्था और अधिक बढ़ गई।

सामयिक

निरंतर बढ़ रही है हिन्दी की ताकत

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

हिन्दी भाषा को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिवर्ष 14 सितम्बर का दिन हिन्दी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। प्रत्येक भारतीय के लिए यह गर्व की बात है कि दुनियाभर में अब हिन्दी को चाहने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डा. फादर कामिल बुल्के ने संस्कृत को मां, हिन्दी को गृहिणी और अंग्रेजी को नौकरानी बताया था। आयरिश प्रशासक जॉन अब्राहम ग्रियर्सन को भारतीय संस्कृति और यहां के निवासियों के प्रति अगाध प्रेम था, जिन्होंने हिन्दी को संस्कृत की बेटियों में सबसे अच्छी और शिरोमणि बताया था। दूसरी ओर हमारे ही देश में कुछ लोग कुतर्क देते हैं कि भारत सरकार योग को तो 177 देशों का समर्थन दिलाने में सफल हो गई लेकिन हिन्दी के लिए 129 देशों का समर्थन भी नहीं जुटा सकी और इसे अब तक संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनाने में भी सफलता नहीं मिली। हालांकि इस प्रकार की नकारात्मक बातों से न हिन्दी का कुछ भला होने वाला है और न ही उसका कुछ बिगड़ने वाला है। ऐसे व्यक्ति हिन्दी की बढ़ती ताकत का यह सकारात्मक पक्ष बहुत चालाकी से नजरअंदाज कर देते हैं कि आज विश्वभर में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं।

मातृभाषा के ज्ञान के बिना हृदय की पीड़ा का निवारण संभव नहीं है। देश-विदेश के बड़े-बड़े विद्वानों ने हिन्दी भाषा के महत्व को समय-समय पर अपने शब्दों में व्यक्त किया है। पुरुषोत्तमदास टंडन मानते थे कि जीवन के छोटे से छोटे क्षेत्र में भी हिन्दी अपना दायित्व निभाने में समर्थ है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनसम्पर्क के लिए हिन्दी को ही सबसे उपयोगी भाषा मानते थे। हिन्दी भाषा के महत्व को स्वीकारते हुए वह कहा करते थे कि सम्पूर्ण भारत के परस्पर व्यवहार के लिए ऐसी भाषा की आवश्यकता है, जिसे जनता का बड़ा भाग पहले से ही जानता-समझता है और राज व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिए आवश्यक है। गांधी जी कहते थे कि दिल की कोई भाषा नहीं है, दिल दिल से बातचीत करता है और राष्ट्रभाषा के बिना एक राष्ट्र गूंगा है। अमेरिका के जाने-माने चिकित्सक वॉल्टर चेनिंग का कहना था कि विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र के राजकाज और शिक्षा की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है। माखनलाल चतुर्वेदी हिन्दी को देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत मानते थे जबकि राहुल सांस्कृत्यायन के अनुसार संस्कृत की विरासत हिन्दी को जन्म से ही मिली है। बालकृष्ण शर्मा नवीन' का कहना था कि राष्ट्रीय एकता की कड़ी हिन्दी ही जोड़ सकती है।

महात्मा गांधी के हिन्दी प्रेम को परिभाषित करता वर्ष 1917 का एक ऐसा किस्सा सामने आता है, जब कलकत्ता में कांग्रेस अधिवेशन के मौके पर बाल गंगाधर तिलक ने राष्ट्रभाषा प्रचार संबंध कांफ्रेंस में अंग्रेजी में भाषण दिया था और गांधी जी ने उनका वह भाषण सुनने के पश्चात उन्हें हिन्दी का महत्व समझाते हुए कहा था कि वह ऐसा कोई कारण नहीं समझते कि हम अपने देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में बात न करें। गांधी जी ने कहा था कि अपने लोगों के दिलों तक हम वास्तव में अपनी ही भाषा के जरिये पहुंच सकते हैं। दरअसल हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतीय को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाती है। बहुत सारे देशों में अब वहां की स्थानीय भाषाओं के साथ हिन्दी भी बोली जाती है। इसके अलावा दुनिया के सैंकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है और यह वहां अध्ययन, अध्यापन तथा अनुसंधान की भाषा भी बन चुकी है।

दुनियाभर में अब करीब 75 करोड़ व्यक्ति हिन्दी बोलते हैं और जिस प्रकार वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी की स्वीकार्यता निरन्तर बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह कहना असंगत नहीं होगा कि अब वह दिन ज्यादा दूर नहीं, जब हमारी राजभाषा हिन्दी चीन की राजभाषा चीनी को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच जाएगी। विश्वभर में हमारी हिन्दी फिल्म 'इंडस्ट्री बॉलीवुड' का नाम है, जहां हर साल करीब डेढ़ हजार फिल्में बनती हैं और ये फिल्में भारत के अलावा विदेशों में भी खूब पसंद की जाती हैं।

यही कारण है कि बॉलीवुड सितारे अक्सर अपनी फिल्मों के प्रचार-प्रसार के लिए अब विदेशों में शो आयोजित करते हैं। यूएई में हिन्दी एफएम चैनल वहां के लोगों की खास पसंद हैं। जब हम ऐसे-ऐसे देशों में भी हिन्दी को भरपूर प्यार, स्नेह, सम्मान मिलता देखते हैं, जो अपनी मातृभाषाओं को लेकर बेहद संवेदनशील रहते हैं और उसे अपनी सांस्कृतिक अस्मिता से जोड़कर देखते हैं तो यह वाकई हम भारतीयों के लिए गौरवान्वित करने वाली उपलब्धि ही है। आज दुनिया का हर वह कोना, जहां भारतवंशी बसे हैं, वहां तो हिन्दी धूम मचा ही रही है। तो आइए, आज हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी भाषा और हिन्दी साहित्य को सर्वांगसुंदर बनाने का संकल्प लेकर डा. राजेन्द्र प्रसाद के इसी सपने को साकार करने का हरसंभव प्रयास करें।

चिंतन

राष्ट्रभाषा हिंदी और मातृभाषा में शिक्षा समय की मांग

मुनि अक्षयसागर महाराज

राष्ट्रीय हिंदी दिवस का इतिहास 14 सितंबर, 1949 से शुरू होता है। इस दिन, भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि को आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में अपनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। हिंदी दिवस को मनाने के पीछे एक कारण यह है कि देश में अंग्रेजी भाषा के बढ़ते चलन और हिंदी की उपेक्षा को रोकना है। आपको बता दें कि महात्मा गांधी ने हिंदी को जन-जन की भाषा भी कहा था। जॉर्ज ऑखेरू, प्रसिद्ध ब्रिटिश लेखक ने लिखा है- किसी राष्ट्र की संस्कृति और पहचान को नष्ट करने का सुनिश्चित तरीका है , उसकी भाषा को हीन बना देना। जयप्रकाश नारायण ने लिखा था कि- मेरा सुनिश्चित मत है कि विदेशी भाषा अनिवार्य रहते हमारे शिक्षार्थियों में स्वाभिमान का विकास नहीं हो सकता। स्वतंत्र भारत में अंग्रेजी को अनिवार्य रखना राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतिकूल है। सुप्रसिद्ध पत्रकार और लेखक डॉ वेदप्रताप वैदिक ने अपने एक लेख में लिखा कि- स्वतंत्र भारत में अंग्रेजी के एकाधिकार शाही को छोड़कर अन्य विदेशी भाषाओं का सम्मान किया होता तो हमारा व्यापार कम से कम दस गुना अधिक होता, देशी भाषा को योग्य सम्मान मिला होता तो अपना देश सही मायने में एक आधुनिक, शक्तिशाली, समृद्ध और सही-सही लोकशाही राष्ट्र बना रहता और आजतक जो नुकसान हुआ उससे कई गुना कम नुकसान हुआ होता।

हमारी भाषा हमारी संस्कृति, गाथाएं, और इतिहास का प्रतीक है। हिंदी का सही ज्ञान हमें हमारे देश की धरोहर को समझने में मदद करता है और हमारे बच्चों को हमारे संस्कृति के मूल मूल्यों को सीखने में मदद करता है। जन्म भाषा में शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक नागरिक का जन्म सिद्ध अधिकार है। नवीनतम शोध में पाया गया है कि जिस भाषा में मां गर्भकाल में गर्भस्थ शिशु से बात करती है, जिस भाषा में बच्चा सोचता है, जिस भाषा में सपने देखता है , जिस भाषा में वह जन्म से संवाद करना सीखता है, यदि उसी भाषा में शैशव और किशोर अवस्था में बच्चे की शिक्षा हो तो उसका मानसिक विकास इतना अच्छा होता है कि वह उच्च शिक्षा के सभी विषय ज्यादा अच्छी तरह से ग्रहण करने में सक्षम होता है। तब उसे ज्ञान को रटना नहीं होता है। वह सही मायने में ज्ञान को ग्रहण करता है जो कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है।

मातृभाषा से भिन्न भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने पर बच्चों की अधिकांश ऊर्जा और समय उस भाषा को सीखने में व्यय होता है। समय और शक्ति के अभाव में वह अन्य विषयों में स्वाभाविक रुचि नहीं ले पाता, परिणामस्वरूप थकान और तनाव हो जाता है, उसका स्वाभाविक और सर्वांगीण विकास नहीं हो पाता है। इसलिए आज मातृभाषा में शिक्षा सबसे पहली आवश्यकता है।

हमारी राजभाषा हिंदी 770000 स्वयं के शब्दों से समृद्ध है। हिंदी सिर्फ़ एक भाषा नहीं है; यह एक सांस्कृतिक खजाना है जो हमें हमारी जड़ों और परंपराओं से जोड़ता है। यह एक ऐसी भाषा है जो सदियों से विकसित हुई है और जिसने विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के प्रभावों को आत्मसात किया है। यह एक ऐसी भाषा है जिसकी साहित्यिक विरासत समृद्ध और विविध है, जो प्राचीन महाकाव्यों और भक्ति कविताओं से लेकर आधुनिक उपन्यासों और उत्तर आधुनिक लेखन तक फैली हुई है। यह एक ऐसी भाषा है जो भारतीय लोगों के इतिहास, संस्कृति और मूल्यों और अन्य सभ्यताओं के साथ उनके संबंधों को दर्शाती है।

अंग्रेजी भाषा का विरोध क्यों?

अंग्रेजी या किसी भी भाषा का विरोध नहीं है पर वह शिक्षा का माध्यम न होकर एक विषय के रूप में पढ़ाई जानी चाहिए। जो भाषा मात्र तीन महीने में सीखी जा सकती है। उसके लिए बच्चे का बचपन छीन लेना कहाँ की बुद्धिमानी है। उसके लिए इतना बड़ा और इतना महंगा तंत्र खड़ा करने का अपव्यय क्यों? अपनी भाषा और संस्कृति की कीमत पर अंग्रेजी का विकास क्यों?

एक आधुनिक समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र की उन्नति में मातृभाषा की क्या भूमिका हो सकती है इसकी जानकारी हमारे नेताओं को आज भी नहीं है। उनकी अज्ञानता के कारण स्वतंत्रता के 76 वर्ष वर्ष उपरांत भी हमारी शिक्षण पद्धति, नौकरशाही, संचार माध्यम, न्यायालय और संसद में अंग्रेजी का ही वर्चस्व है। अंग्रेजी के वर्चस्व से देश का प्रचंड नुकसान हुआ है। परायी भाषा के पीछे घूमते रहने से देश महाशक्ति कैसे बन सकता है? आज तक जितने भी राष्ट्र महाशक्ति बने हैं वे मातृभाषा के द्वार खोले हुए हैं, उन्होंने एक नहीं अपितु अनेक विदेशी भाषाओं की खिड़कियां खोली हैं।

यह एक भ्रांत धारणा है कि अंग्रेजी भाषा के बिना तकनीकी विषय नहीं पढ़ाए जा सकते। चीन, जर्मनी, फ्रांस, सोवियत रूस में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी न होकर वहां की मातृभाषाएं हैं। लेकिन तकनीकी विकास में किसी तरह से इंग्लैंड, अमेरिका से कम नहीं हैं। विश्व के 77 देश कभी अंग्रजों के गुलाम थे, आज वे सभी स्वतंत्र हो चुके हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत सभी ने शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी को नहीं अपनी मातृभाषा को ही अपनाया है। तो क्या अंग्रेजी के अभाव में इन देशों में सब बेरोजगार ही रह जाते हैं? जिस देश की युवा आबादी में विदेशी भाषा के माध्यम से किसी का नौकर हो जाने की ख्वाहिश हो, अपना व्यवसाय करके मालिक बनने की चाहत ही न हो, उद्यमशीलता ही न हो, तो क्या वह देश कभी वास्तविक विकास कर सकता है?

आज विश्व के सभी देश अपने देश में अंग्रेजी के प्रभाव कम करने के लिए प्रयत्नशील हैं लेकिन हम हैं अंग्रेजी के दीवाने, पाश्चात्य सभ्यता के नशे में डूबे हुए हैं, इस भाषा के साथ आने वाली गुलामी को नहीं देख पा रहे हैं और जानबूझकर इस भाषा के प्रभाव को बढ़ाते ही चले जा रहे हैं। यदि आपके बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में पढ़ रहे हैं और स्कूल में आपस में हिंदी, मराठी, कन्नड़ में बातचीत करने पर उन्हें दंडित किया जाता है तो ऐसे दंड का जोरदार विरोध होना चाहिए। जब तक अगली पीढ़ी को शिक्षण संवाद में अंग्रेजी शब्दों के प्रयोग से पढ़ाते रहेंगे, यह समस्या खत्म न होगी। हिंदी और अन्य प्रांतीय भाषाओं को विकृत करने में अंग्रेजी का निर्णायक योगदान रहा है।

जीवन निर्वाह नहीं, निर्माण हो शिक्षा का उद्देश्य

नई शिक्षा नीति में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने शिक्षा का ध्येय बताया कि हित का सृजन और अहित का विसर्जन यही शिक्षा का ध्येय है, शिक्षा का उद्देश्य जीवन निर्वाह नहीं, जीवन निर्माण है। विद्या अर्थकारी नहीं, पर्मार्थकारी होना चाहिए। शिक्षा का कार्य संस्कारों के संरक्षण के साथ भविष्य का विकास करना है। ज्ञान भाषात्मक नहीं, भावनात्मक होना चाहिए।

हिंदी राष्ट्र की रीढ़ है :

हिंदी हमारे राष्ट्र की रीढ़ है। हर नागरिक को अपनी दुकान नाम हिंदीं या मातृभाषा में लिखना चाहिए। अंकों के स्वरूप भी भारतीय हो। प्रत्येक कार्यालयों में हिंदी भाषा में ही कामकाज हो। संवाद भी हिंदी भाषा में हो। हिंदी एक भाषा से कहीं बढ़कर है; यह भारत की समृद्ध और विविध संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति है। यह एक ऐसा पुल है जो अतीत और वर्तमान, स्थानीय और वैश्विक, प्राचीन और आधुनिक को जोड़ता है। हिंदी न केवल एक राष्ट्रीय भाषा है, बल्कि एक रचनात्मक भाषा भी है जो लोगों को अपने विचारों, भावनाओं और सपनों को व्यक्त करने के लिए प्रेरित करती है। हिंदी भारत की भाषा है और दुनिया की भाषा है।

हिन्दी जन-जन की भाषा :

नई शिक्षा का माध्यम हिन्दी बना दिया जाय तो देश में हिंदी को नए आयाम स्थापित करते देर नहीं लगेगी। हिन्दी के प्रचार प्रसार में सरकारी व निजी शिक्षा संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों तथा आम जनता का सहयोग अपेक्षित होगा। हिन्दी दिवस मनाने से राष्ट्रभाषा संवृद्ध होगी। हिन्दी जन जन की भाषा बनेगी। और हिन्दी को अपना स्थान मिल सकेगा। देश में राष्ट्रीय भावना का संचार होगा। और देश निश्चित दिशा की ओर अग्रसर होगा।परन्तु देखने में आता है कि हर साल सितम्बर का महीना हिन्दी के नाम होता है और बाकि के 11 महीने अंग्रेजी को समर्पित। ऐसे में हिन्दी को जनभाषा के रूप में प्रतिष्ठापित किये जाने की जो कवायद है, वह आयोजनों तक ही रह गई है। स्वतंत्र राष्ट्र में राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय वेश तो प्रतीकात्मक रूप से राष्ट्र की पहचान हैं।

वास्तव में राष्ट्रभाषा ही राष्ट्र की धमनियों में संचारित होने वाली राष्ट्रीयता की जीवंत धारा, रुधिर धारा है। राष्ट्रभाषा के बिना जन-जन का न तो पारस्परिक सम्पर्क संभव है और न देशवासियों में एकता की भावना ही पनप सकती है। विदेशी भाषा के माध्यम से स्वदेशी भावना का प्रचार आकाश कुसुम सूंघने का प्रयास करना है। हिंदी के महत्व को समझकर हमें इसे बचाने और बढ़ावा देने का प्रतिबद्ध रहना चाहिए. हमें विद्यालयों, कार्यालयों, न्यायालयों और समाज में हिंदी का उचित प्रयोग करना चाहिए ताकि यह भाषा हमें हमेशा जोड़े रहे और हमारी राष्ट्रीय भाषा के रूप में आगे बढ़ सके। इसी तरह, हिंदी दिवस हमें हमारे देश के सांस्कृतिक धरोहर के प्रति समर्पित और जागरूक बनाता है, और हमें यह याद दिलाता है कि हमारी मातृभाषा हमारी गर्व और पहचान का प्रतीक है।

नजरिया

हिंदी को समर्पित रहे विदेशी फादर कामिल बुल्के

नंदकिशोर अग्रवाल
मोबाइल : 9945395760

किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी भाषा और संस्कृति से होती है, जिस की छांव में लोग पले-बढ़े होते हैं। हमारे देश की मूल भाषा हिन्दी है जो संपूर्ण भारत को एक सूत्र में जोड़ती है। हिन्दी को लेकर लोगों की बढ़ती रूची को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और आज देश में इसका जो स्थान है उसे नकारा भी नहीं जा सकता। हिन्दी ही आज एक मात्र ऐसी भाषा है जो देश भर में बोली जाती है। दो अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले लोग आपस में हिन्दी में बात करते हैं। अंग्रेजी का प्रयोग केवल पढ़े लिखे लोग ही करते देखे गए हैं। हिन्दी एक क्षेत्र की नहीं, यह देश को जोड़ती है। अधिकतर भारतीय हिन्दी बोलते या समझते हैं।

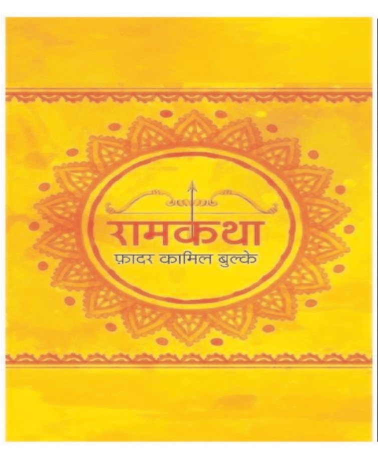

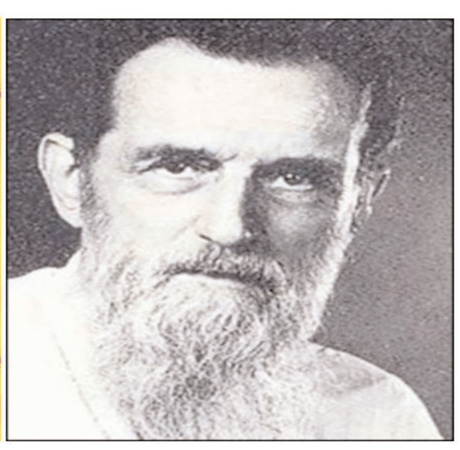

सारी भारतीय भाषाएं हमें अपनी अस्मिता का बोध करवाती हैं तथा सब भारतीयता से जोड़ती हैं। देश की सभी भाषाओं का समृद्ध होना विविधता और संस्कृति के लिए बहुत जरूरी है। हिंदी जनमानस की भाषा है अत: इसे राष्ट्रभाषा बनना चाहिए। यही बात 1918 में गांधी जी ने कही थी। कर्मस्थली और कर्म भूमि का मतलब है वहां की मिट्टी से जुड़ना। अत: वहां की स्थानीय भाषा में रचना-बसना होगा और वहीं की भाषा का आलिंगन दिलोजान से करना। फादर कामिल बुल्के ने अपने जीवन में ऐसा ही कुछ किया। उहोंने भारत आकर रोम-रोम में हिंदी को बसा लिया। भारतीय भाव को कामिल ने हिंदी के माध्यम से गले लगाया। मां भारती की भाषा हिंदी को समृद्ध करने में उनका अद्वितीय योगदान रहा है। वे ऐसे पादरी थे, जो ईसाई धर्म का प्रचार करने भारत आए थे और यहां आकर बन गए राम व हिंदी के प्रशंसक।

बेल्जियम में जन्मे 'फादर कामिल बुल्के' बेल्जियम से ईसाई धर्म-प्रचार के लिए मिशनरी के रूप में भारत आए थे, लेकिन भारत आकर हिंदी, तुलसी और बाल्मीकि के रंग में रंग गए। यहां तक कि उन्होंने 'राम कथा' लिख डाली। उन्होंने 'अंग्रेजी हिंदी शब्द कोश' तैयार कर हिंदी भाषा को एक अनूठी सौगात दी। शिक्षा के क्षेत्र में भारत द्वारा 1974 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। बेल्जियम ने इस अवसर पर हिंदी की एक डाक टिकट जारी की, जिस पर हिंदी में लिखा था- 'एक दूसरे को लिखें।'

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पूक्कलम

पूरे देश में केरल मूल के निवासी 15 सितम्बर को ओणम मनाएंगे। इसके मद्देनजर बेंगलूरु के सरजापुर रोड मके करमलराम में रेश्मा रेनी के निवास पर केरल की महिलाएं पूक्कलम (पुष्पकला से रंगोली) बनाते हुए।

मेरे पिता 1984 में अपहृत विमान में सवार थे : जयशंकर

जिनेवा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को खुलासा किया कि उनके पिता 1984 में अपहृत विमान में सवार थे और कहा कि ऐसी परिस्थितियों में उनके पास दोनों पक्षों परिवार के सदस्यों और सरकार में बैठे लोगों के दृष्टिकोण को लेकर एक अनोखा नजरिया था। जयशंकर यहां एक कार्यक्रम के दौरान 1999 में आईसी814 के अपहरण पर हाल में जारी टेलीविजन सीरीज के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। जयशंकर ने कहा, कैसे एक युवा अधिकारी के रूप में मैं उस टीम का हिस्सा था, जो अपहरण के मामले से निपट रही थी। भारतीय समुदाय को संबोधित करने के बाद प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान, श्रोताओं में से एक ने मंत्री से 'नेटफ्लिक्स' पर हाल में आई सीरीज 'आईसी814: द कंधार हाईजैक' पर उनकी टिप्पणी मांगी थी।

क्या है 'मिशन मौसम' और क्यों है इसकी जरूरत?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। जलवायु संकट के कारण मौसम के चलन को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के मद्देनजर भारत ने मौसम की समझ को और ज्यादा सार्थक बनाने तथा नेटवर्क के अवलोकन में विस्तार, मॉडलिंग को बेहतर बनाने और एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) व 'मशीन लर्निंग' के माध्यम से पूर्वानुमान लगाने की दिशा में 'मिशन मौसम' के साथ एक बड़ा कदम उठाया है। इस मिशन के तहत कृत्रिम रूप से बादल विकसित करने के लिए प्रयोगशाला बनाना, रडार की संख्या में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करना तथा नये उपग्रह, सुपर कंप्यूटर और बहुत कुछ नयी चीजें जोड़ना शामिल होगा।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक, वायुमंडल की प्रक्रियाओं की जटिलता और वर्तमान अवलोकन तथा मॉडल रेजोल्यूशन की सीमाओं के कारण उष्णकटिबंधीय मौसम का पूर्वानुमान चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अवलोकन डेटा पर्याप्त नहीं हैं और संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान (एनडब्ल्यूपी) मॉडल का क्षैतिज रेजोल्यूशन भारत में छोटे पैमाने की मौसम घटनाओं का सटीक पूर्वानुमान लगाना मुश्किल बनाता है। साथ ही जलवायु परिवर्तन, वातावरण को और अधिक अव्यवस्थित बना रहा है, जिसके परिणामस्वरूप अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा और स्थानीय स्तर पर सूखा पड़ रहा है। इतना ही नहीं कुछ स्थान बाढ़ और सूखे की एक साथ चुनौती का सामना कर रहे हैं। बादल फटना, आंधी, बिजली गिरना और तूफान भारत में सबसे कम समझी जाने वाली मौसमी घटनाओं में से हैं। मंत्रालय के मुताबिक, इस जटिल स्थिति को समझने के लिए बादलों के भीतर और बाहर, सतह पर, ऊपरी वायुमंडल में, महासागरों के ऊपर और ध्रुवीय क्षेत्रों में होने वाली भौतिक प्रक्रियाओं के बारे में गहन ज्ञान की आवश्यकता होती है।

मंत्रालय ने बताया कि इसके लिए पृथ्वी की गतिशील प्रणालियों की प्रभावी निगरानी के लिए बेहतर स्थानिक और वर्टिकल रेजोल्यूश्न के साथ जमीनी स्तर पर तथा पृथ्वी प्रणाली में उच्च आवृत्ति अवलोकन की आवश्यकता है। इसके अलावा पंचायत स्तर पर पूर्वानुमान लगाने के लिए एनडब्ल्यूपी मॉडल के क्षैतिज रेजोल्यूशन को 12 किलोमीटर से बढ़ाकर छह किलोमीटर करना होगा।

केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम. रविचंद्रन ने कहा कि यह पांच वर्षीय मिशन दो चरणों में लागू किया जाएगा। पहला चरण मार्च 2026 तक जारी रहेगा और इसमें अवलोकन नेटवर्क के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इसमें लगभग 70 डॉपलर रडार, उच्च दर्जे के कंप्यूटर और 10 विंड प्रोफाइलर तथा 10 रेडियोमीटर लगाना शामिल है। दूसरे चरण में अवलोकन क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए उपग्रहों और विमानों को जोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मिशन मौसम का उद्देश्य लघु से मध्यम अवधि के मौसम पूर्वानुमान की सटीकता में पांच से 10 प्रतिशत तक सुधार करना तथा सभी प्रमुख महानगरों में वायु गुणवत्ता की भविष्यवाणी में 10 प्रतिशत तक सुधार करना है।

अंतर-धार्मिक संवाद करें : पोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर। पोप फ्रांसिस ने शुक्रवार को सिंगापुर के युवाओं से कहा कि अंतर-धार्मिक संवाद के लिए साहस की जरूरत होती है क्योंकि इसका मतलब खुद को आलोचना का सामना करने के लिए तैयार रखना है। पोप ने सिंगापुर की अपनी यात्रा के अंतिम दिन कैथोलिक जूनियर कॉलेज के युवाओं के साथ एक अंतर-धार्मिक बैठक के दौरान कहा, क्या आलोचना करने का आपमें साहस है और क्या इसके साथ-साथ आप अपनी आलोचना किये जाने की अनुमति देंगे? पोप ने कहा कि युवाओं के बीच संवाद समुदाय में व्यापक स्तर पर नागरिकों के बीच बातचीत को बढ़ावा देगा।

उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि आलोचना रचनात्मक या व्यवधान डालने वाली हो सकती है और युवाओं को आलोचना करने के दौरान विभिन्न धर्मों के लोगों का सम्मान करना चाहिए। चैनल न्यूज एशिया ने पोप को उद्धृत करते हुए कहा, आपके पास यह साहस हो सकता है और इसका उपयोग उन चीजों के लिए कर सकते हैं जो वास्तव में आपकी मदद नहीं करती हैं, या आप उस साहस का उपयोग आगे बढ़ने और संवाद करने के लिए कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से साहसी और रचनात्मक बनने तथा अंतर-धार्मिक सौहार्द के विषय पर बातचीत में सक्रिय भागीदारी करने के लिए अपने सुविधानुकूल माहौल से बाहर निकलने की अपील की। पोप ने पादरियों के ठहाकों के बीच कहा, एक युवा व्यक्ति जो अपने सुविधानुकूल माहौल में रहता है और सुविधापूर्ण जीवन जीना चाहता है वह मोटा हो जाता है। उन्होंने कहा, मोटापे से ग्रसित न हों, बल्कि अपने मस्तिष्क में नये-नये विचार आने दें। और इसके लिए मैं कहूंगा, जोखिम उठाइए। बाहर निकलिए। डरिये नहीं। पोप की तीन एशियाई देशों की यात्रा के अंतिम चरण में, शुक्रवार सुबह आयोजित कार्यक्रम में 50 स्कूलों और अंतर-धार्मिक एवं धार्मिक संगठनों के 600 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।

'अर्धनारी' गणेश की मूर्ति बना कर मुंबई की कलाकार ने महिला सुरक्षा पर दिया जोर

मुंबई। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को ध्यान में रखते हुए एक कलाकार ने मुंबई में गणेश उत्सव के दौरान भगवान गणेश की 'अर्धनारी' स्वरूप में मूर्ति बनाई है ताकि महिला एवं पुरुष के बीच सामंजस्य की आवश्यकता पर जोर दिया जा सके। रिंटू राठौड़ ने चॉकलेट से गणेश की मूर्ति बनाई है, जिसमें उनकी विशेषज्ञता है। राठौड़ ने बताया कि उन्होंने अपने सांताक्रूज स्थित घर में स्थापित 'अर्धनारी' स्वरूप की 25 इंच ऊंची मूर्ति बनाने के लिए 20 किलोग्राम 'डार्क चॉकलेट' और 10 किलोग्राम सफेद चॉकलेट का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, गणपति का यह स्वरूप हिंदू धर्म में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह इस विचार पर जोर देता है कि पुरुष और महिला एक दूसरे के लिए आवश्यक और पूरक हैं, जो ब्रह्मांड में एकता और संतुलन को बढ़ावा देते हैं। राठौड़ ने बताया कि महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के गोरेगांव में 800 वर्ष पुराने मंदिर में 12 भुजाओं वाले गणेश भगवान की 'अर्धनारी' मूर्ति स्थापित है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों खासकर हाल ही में कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ हुई घटना के मद्देनजर, पुरुष और महिला के बीच संतुलन तथा सामंजस्य की आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है।

फिल्म 'लव सितारा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

शोभिता धूलिपाला और राजीव सिद्धार्थ अभिनीत फिल्म लव सितारा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। वंदना कटारिया के निर्देशन में बनी फिल्म 'लव सितारा' में शोभिता धूलिपाला और राजीव सिद्धार्थ में मुख्य भूमिका निभायी है। इस फिल्म का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।इस फिल्म की कहानी तारा (शोभिता धूलिपाला) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक स्वतंत्र इंटीरियर डिजाइनर हैं। दूसरी ओर अर्जुन (सिद्धार्थ) एक भावुक शेफ हैं और अंतरराष्ट्रीय सफलता के शिखर पर पहुंच चुके हैं। कहानी तब और सघन हो जाती है जब अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण तारा और अर्जुन दो पूरी तरह से अलग लोगों के बीच जल्दबाजी में शादी का प्रस्ताव आता है। शोभिता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म लव सितारा का ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, 'इस मधुर और विनम्र पारिवारिक ड्रामा को प्रस्तुत करते हुए हमने केरल में कोविड लॉकडाउन के दौरान कुछ बहुत ही अनोखी चुनौतियों का सामना करते हुए शूट किया। मेरे लिए सितारा का किरदार अनोखा और खास रहा है।' रोनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित 'लव सितारा' को प्यार, दिल टूटने और आत्म-खोज की कहानी के रूप में वर्णित किया गया है। इस फिल्म में शोभिता धूलिपाला और राजीव सिद्धार्थ के अलावा सोनाली कुलकर्णी की भी अहम भूमिका है। फिल्म 'लव सितारा' 27 सितंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी।

फिल्म 'जो तेरा है वो मेरा है' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

परेश रावल, अमित सियाल और सोनाली कुलकर्णी अभिनीत कॉमेडी-ड्रामा फिल्म जो तेरा है वो मेरा है का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जियो स्टूडियोज की आने वाली फिल्म कॉमेडी-ड्रामा जो तेरा मेरा वो मेरा है में परेश रावल, अमित सियाल, सोनाली कुलकर्णी और सोनाली सहगल की मुख्य भूमिका है।इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म का ट्रेलर अब रिलीज़ हो गया है। ट्रेलर में चाय बेचने वाले से महत्वाकांक्षी ठग बने मितेश मेघानी (अमित सियाल) के जीवन, उसकी गलतफहमियों और मजेदार कारनामों की झलक दिखती है। मितेश एक बूढ़े व्यक्ति (परेश रावल) को धोखा देकर अपने परिवार का प्यार पाने की कोशिश करता है। जब बूढ़ा व्यक्ति मरने से इनकार करता है, तो उसकी गलत तरीके से बनाई गई रिवर्स मॉर्गेज योजना का खुलासा होता है और मितेश के ठगी करने के तरीके उसे पकड़ लेते हैं।

इस कॉमेडी एंटरटेनर पर काम करने के बारे में परेश रावल ने कहा, जो तेरा है वो मेरा है एक कॉमेडी-ड्रामा है, जिसमें हास्य और प्रासंगिकता का खूबसूरती से मिश्रण किया गया है। स्क्रिप्ट मजेदार थी और इस कहानी को जीवंत करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहा है। कॉमेडी, हालांकि अक्सर हल्की-फुल्की मानी जाती है, लेकिन इसके लिए बहुत कौशल और समर्पण की आवश्यकता होती है और इस फिल्म पर काम करना इसका एक सच्चा प्रमाण रहा है। अजय राय के नेतृत्व वाली शानदार टीम के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा। अमित सियाल, सोनाली कुलकर्णी और बाकी प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ काम करना वाकई बहुत मजेदार रहा है- सेट पर हर दिन हंसी-मजाक और मस्ती से भरा रहा। जियो स्टूडियोज ने ऐसी शानदार स्क्रिप्ट चुनी हैं, जिनका आनंद आप अब जियो सिनेमा पर अपने घर बैठे ले सकते हैं। मैं दर्शकों के द्वारा हमारी इस मनोरंजक कहानी का लुफ़्त उठाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

अमित सियाल ने अपनी भूमिका और परेश रावल के साथ अपनी दोस्ती के बारे में कहा कि, मैं जो तेरा है वो मेरा है का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं, यह फिल्म कॉमेडी और हल्के-फुल्के पलों से भरी हुई है। परेश रावल सर के साथ काम करना, मेरे लिए सीखने का एक अविश्वसनीय अनुभव था जो किसी मास्टरक्लास से कम नहीं हैं। इस तरह की बुद्धि और चतुराई के साथ एक किरदार निभाना एक धमाका था। तीखे हास्य और चतुर अंतर्दृष्टि के बीच संतुलन बनाने की चुनौती ने इस भूमिका को काफी रोमांचक बना दिया है। जियो सिनेमा पर मेरी पिछली फिल्म, टिकडम को मिले जबरदस्त प्यार के बाद, मैं इस फिल्म को दर्शकों के साथ सांझा करने के लिए उत्साहित हूं। मैं यह देखकर रोमांचित हूं कि जियो स्टूडियोज इतनी विविध प्रकार की फिल्में बना रहा है जिन्हें परिवार एक साथ देख और आनंद ले सकते हैं। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, फिल्म जो तेरा है वो मेरा है का निर्माण ज्योति देशपांडे और अजय राय ने किया है और राज त्रिवेदी ने इसका निर्देशन किया है।

कंगना ने शेयर की 'इमरजेंसी' की शानदार बीटीएस रील

मुंबई/एजेन्सी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री और फिल्म निर्माता कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी से पर्दे के पीछे की झलक साझा की। पोस्ट में, कंगना ने पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के वास्तविक जीवन के पात्रों और उनके द्वारा क्रमशः स्क्रीन पर निभाए गए किरदारों के बीच अनोखी समानता को उजागर किया। अपनी पोस्ट में, कैप्शन दिया, वास्तविकता की ईमानदारी से अधिक सराहनीय कुछ भी नहीं है... टीम इमरजेंसी। फिल्म इमरजेंसी भारत के सबसे विवादास्पद राजनीतिक काल में से एक - 1975 से 1977 की इमरजेंसी - पर गहराई से चर्चा करती है, जिसे इंदिरा गांधी ने लगाया था। 22 महीने की इस अवधि को अक्सर भारतीय लोकतंत्र के सबसे काले अध्यायों में से एक माना जाता है, जिसमें नागरिक स्वतंत्रता का निलंबन, प्रेस की सेंसरशिप और व्यापक राजनीतिक दमन शामिल है। कंगना रनौत द्वारा निर्देशित और अभिनीत, इमरजेंसी में अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक जैसे शानदार कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत संचित बलहारा और जी.वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है, जबकि पटकथा और संवाद रितेश शाह ने लिखे हैं।

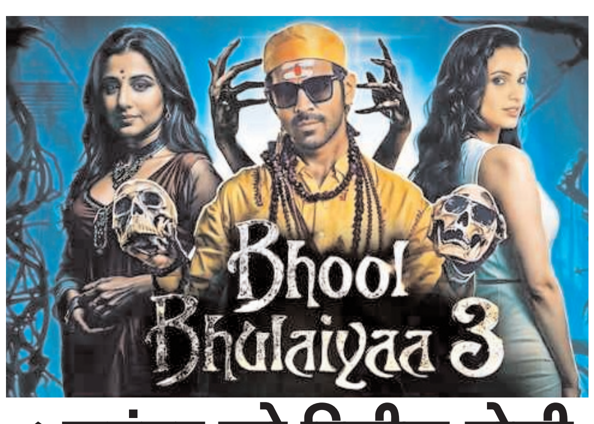

1 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म 'भूल भुलैया 3'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की आने वाली फिल्म भूल भुलैया 3, 01 नवंबर को रिलीज होगी। 'भूल भुलैया' फ्रेंचाइजी की दो फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। वर्ष 2007 में प्रदर्शित प्रियदर्शन निर्देशित फिल्म 'भूल भुलैया' में अक्षय कुमार, विद्या बालन,शाइनी आहूजा, राजपाल यादव और परेश रावल जैसे कलाकार नजर आए थे। इसके बाद 'भूल भुलैया 2' वर्ष 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार को कार्तिक आर्यन ने रिप्लेस कर दिया था। वहीं इसका निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के अलावा, कियारा आडवाणी ने अहम भूमिका निभायी। अब भूल भुलैया 3 बनायी जा रही है।इस फिल्म में कार्तिक आर्यन, तृप्ती डिमरी, माधुरी दीक्षित और विद्या बालन लीड रोल में हैं। निर्माता भूषण कुमार ने अनाउंसमेंट की है कि फिल्म भूल भुलैया 3 इसी साल दीवाली के मौके पर 01 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भूषण कुमार ने बताया,फिल्म भूल भुलैया 3, 01 नवंबर को ही रिलीज होगी। यह पक्की बात है। कुछ समय पहले ही कार्तिक आर्यन ने फिल्म की रिलीज डेट का हिंट दिया था। उन्होंने फिल्म की शूटिंग खत्म हो जाने के बाद एक वीडियो शेयर किया था और लिखा था- इस दिवाली मिलते हैं।

'इस इश्क का रब रखा' में फ़हमान ख़ान और सोनाक्षी बत्रा निभाएंगे लीड किरदार

मुंबई/एजेन्सी

स्टार प्लस के नए शो इस इश्क का रब रख़ा में फ़हमान ख़ान और सोनाक्षी बत्रा लीड किरदार में नजर आयेंगे। स्टार प्लस अपने दर्शकों को एक नए शो इस इश्क का रब रखा से सरप्राइज करने के लिए तैयार है। इस शो में फहमान खान रणबीर और सोनाक्षी बत्रा मेघला की भूमिका में हैं। इस इश्क का रब रखा शो में एक अनोखी प्रेम कहानी दिखाई जाएगी, जहां मेघला और रणबीर, दो अलग - अलग संस्कृतियों और परंपराओं से जुड़े लोग, एक दूसरे के साथ जुड़ेंगे और अपनी एक अलग दुनिया बनाएंगे। उनके संस्कृतिक मतभेदों के टकराव को देखना दर्शकों को आकर्षक लगेगा और उनमें कहानी के लिए गहरी दिलचस्पी पैदा करेगा। यह देखने के लिए बने रहें कि उनकी लव स्टोरी कैसे आगे बढ़ती है और वे अपने प्यार को कैसे मजबूत बनाते हैं। 'इस इश्क का रब रखा' जल्द ही स्टार प्लस पर प्रसारित होने वाला है।

शरवरी की सफलता देखकर खुश हैं कबीर खान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार कबीर खान, अभिनेत्री शरवरी की सफलता देखकर बेहद खुश हैं। प्रतिभाशाली बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी ने वर्ष 2024 को पूरी तरह से अपना बना लिया है, और वह इंडस्ट्री की सबसे चमकदार युवा अभिनेत्रियों में से एक बनकर उभरी हैं। शरवरी ने कबीर खान की वेब सीरीज़ 'द फॉरगॉटन आर्मी' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। कबीर खान, जिन्होंने शरवरी को स्क्रीन के लिए सबसे पहले खोजा था, बॉलीवुड में उनकी उभरती हुई स्टार की सफलता से बेहद रोमांचित हैं। कबीर खान ने कहा,जब मैंने 'द फॉरगॉटन आर्मी' के लिए शरवरी का ऑडिशन लिया, तो मुझे खुशी हुई कि मैंने एक दुर्लभ प्रतिभा की खोज की है, जो आने वाले वर्षों में अविश्वसनीय प्रदर्शन करेगी। वह सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने काम किया है। उनकी उपस्थिति और चार्म स्क्रीन पर चमकते हैं,यह एक उपहार है जो बहुत कम एक्टर्स के पास होता है, और जिनके पास होता है, वे सिनेमा पर गहरा प्रभाव छोड़ते हैं।एक मेंटर के रूप में, मुझे उसकी यात्रा पर गर्व है। उसने पहले ही अपनी प्रतिभा से पूरी इंडस्ट्री का ध्यान खींच लिया है। उसे अभी भी बहुत कुछ हासिल करना है, लेकिन जिस समर्पण, अनुशासन और दृढ़ता से वह अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रही है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। वह जानती है कि उसने केवल अपने टैलेंट और मेहनत के दम पर इस इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है, और इसी कारण वह हर फिल्म के लिए अतिरिक्त मेहनत करती है। कबीर खान का मानना है कि शरवरी अपने अद्वितीय अभिनय से बॉलीवुड में एक स्थायी छाप छोड़ेंगी। उन्होंने कहा,शरवरी को अपने अभिनय के दम पर ही इस प्रतियोगी इंडस्ट्री में ऊंचाइयों तक पहुंचने का भरोसा है। इसके अलावा, शरवरी में वह साहस है कि वह कम यात्रा किए गए रास्ते पर चलती है और ऐसे प्रोजेक्ट्स चुनती है, जिन्हें करने की हिम्मत बहुत कम लोग करेंगे। यही उसे एक रोमांचक अभिनेत्री बनाता है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब शरीर में कांटा चुभ जाए तो शरीर में वेदना का लावा फूटता है। फिर उस कांटे को निकाल दो तो राहत मिल सकती है, लेकिन कुछ देर तक वेदना तो रहती ही है। कांटा निकालना आसान है लेकिन बोलते समय हमारे शब्द कटु बन गए तो वह लंबे अरसे तक दर्द का कारण बन जाते है। इसलिए ज्ञानी कहते हैं बोलते समय सावधान रहना जरूरी है। हमारे शब्दों के भाव लंबे अरसे तक रहते हैं। अगर ग़लती से बचना है, उसका निराकरण, प्रमार्जन करना है तो सत्य बोलो। गलती करके झूठ बोलना और बड़ी ग़लती हो जाती है। सत्य बोलने से यह विश्वास जम जाता है कि वह व्यक्ति झूठ नहीं बोल सकता।

प्रत्येक प्राणी के दुःख का कारण उसके कर्म है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्रऋषिजी के सान्निध्य में शुक्रवार को पुच्छिस्सुणं संपुट की तीसरी गाथा का जाप हुआ्। युवाचार्यश्री ने इस गाथा की महिमा बताते हुए कहा कि जो दर्द के स्वरूप, कारण और उसके निवारण को मानता है, उसी के सामने जाकर प्रत्येक प्राणी को आश्वासन मिलता हैं। तीर्यंच, मनुष्य, देव गति का दुःख क्या है, जानने वाले महावीर प्रभु थे।

उन्होंने कहा जिसको सुख ज्यादा मिलता है, उसे दुःख भी ज्यादा मिलता है। देवों के साथ ऐसा ही है। दुःख का कारण परमात्मा जानते हैं और वे निवारण देते हैं। प्रत्येक प्राणी के दुःख का कारण उसके कर्म है। वे आत्मा को जानने वाले हैं। कौनसे कर्म का आवरण आत्मा पर लगा है, वे जानने वाले हैं। वे कर्मों के दुःख को दूर करने में कुशल है। उन्होंने स्वयं के कर्मों को दूर किया। वे अनंत ज्ञान, दर्शन के धनी थे। वे जीवन के ऐसे तत्वों को समझाने वाले हैं। उनमें ऐसा मजबूत धैर्य था। यह परमात्मा के गुणों का स्वरूप है। उन गुणों से हमारा जीवन भी समृद्ध हो। यह हमारे धर्म के लगाव, विशेष प्रीति को बढ़ाने वाली है। यह साधना हम सबके लिए धर्म, गुण वृद्धि में सहायक बनें।

उन्होंने कहा कि जिनवाणी और जिनेश्वर की भक्ति दोनों कोम्बो के रूप में चल रहा है। जिनवाणी श्रवण और परमात्मा की स्तुति दोनों एक साथ मन को प्रफुल्लित कर देते हैं। जम्बूकुमार की आठ सुशील, सुंदर पत्नियों से विवाह कर उन्हें संयम पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देते हैं। कैसा है यह स्वरूप। नीतिकार कहते हैं जिसको कुछ नहीं आता है, उसे समझाना आसान है। जो स्वयं होशियार है, उसे समझाने में कठिनाई आती है। जम्बूकुमार के घर पर चोरी करने आए लेकिन वे 500 चोर भी जम्बूकुमार और उनकी पत्नियों के भावों को देखकर, सुनकर स्तब्ध रह गए्। यह त्याग का प्रभाव है्। जिस जम्बूकुमार का वैभव उच्च कोटि का है, फिर भी त्याग के मार्ग पर जाने की बात कर रहे हैं। प्रभव चोर और उसके साथियों को त्याग का प्रभाव हुआ्। उस समय ऐसे भाव होते थे। अपने मन के भावों को दूर रखकर उनको भी अपने साथ ले लिया। कैसा धर्म, कैसा दर्शन था उनका।

इस दौरान विभिन्न तपस्वियों ने विभिन्न तपस्याओं के प्रत्याख्यान लिए। कार्यक्रम में बेंगलूरु, नासिक आदि शहरों से अनेक श्रद्धालु शामिल हुए ।मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने बताया कि रविवार को दोपहर में 2.30 बज जयमलजी महाराज की जयंती मनाई जाएगी। 20 सितंबर से आत्मध्यान साधना शिविर का आयोजन होगा। महासंघ के सहसचिव कमल छल्लाणी ने सभा का संचालन किया।

जयगोपाल गारोदिया स्कूल का 26वां वार्षिकोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय जयगोपाल गरोदिया मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल ने 26वां वार्षिक दिवस मनाया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति पुष्पा सत्यनारायण उपस्थित थीं। सबसे पहले संस्थापक अध्यक्ष जयगोपाल गरोडिया के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। प्रिंसिपल आर हेमामलानी द्वारा वार्षिक रिपोर्ट पेश की। वार्षिक दिवस में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए तथा शत-प्रतिशत प्राप्त करने वालों को पदक, प्रमाण-पत्र, पुरस्कार वितरित किए गए।

इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत गणपति स्तुति से हुई।

साधना से ही आत्मा से परमात्मा बनना संभव : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी ने कहा कि परमात्मा ने तो साधना करके अपनी आत्मा को तार लिया लेकिन हमें भी ऐसी ही साधना करके अपनी आत्मा को परमात्मा बनाना है। तपस्या आराधना को हमें जीवन पर्यन्त धारण करना है। खान पान के साथ हम जहां भी जाएं वहां हमारी जैनत्व की एक अलग ही पहचान होनी चाहिए्। चार भूमियों में पूरा जगत समाहित है। पहली नरक गति की भूमि जहां इतनी वेदना है जहां धर्म का बीज बोना नामुमकिन है। दूसरी तिर्यंच गति की भूमि जहां भी धर्म साधना नहीं हो सकती है क्योंकि वहां रहने की भी जगह समुचित नहीं है। तीसरी देवलोक गति की भूमि जो कि आरस यानी कांच के जैसी है जहां भी धर्माराधना नहीं हो सकती। सिर्फ और सिर्फ मनुष्य गति की भूमि ही उपजाऊ है जहां धर्माराधना की खेती की जा सकती है। हमें आर्य देश में और जैन कुल में जन्म मिला है जहां हमें पुण्य, प्रभु की और प्रतिज्ञा की प्यास को बुझाना है। पुण्य की प्रकृति में मन में खुशी ही मिलती है। दान शील, तप और भाव से हम पुण्य उपार्जन कर सकते हैं जिसे सतत चालू रखना है।

जागरूकता कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन, एक्सनोरा इंटरनेशनल द्वारा स्वच्छ भारत मिशन, पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी देने के लिए सुराना जैन विद्यालय पार्क टाउन में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि हेल्थ एजुकेशन ऑफिसर डाक्टर टीजी श्रीनिवासन ने स्वस्थता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्कूल की प्रधान अध्यापिका शशिकला ने स्वागत करते हुए पर्यावरण संरक्षण की जानकारी देते हुए सभी विद्यार्थियों से आग्रह किया कि पर्यावरण की ओर ध्यान देना हमारा कर्तव्य है। इस मौके पर नॉर्थ चेन्नई सचिव फतेहराज जैन ने स्वस्थता के कई गुणों की जानकारी दी।

ओणम उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में जयगोपाल गरोदिया मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में केरल के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक 'ओणम' त्यौहार मनाया गया। विद्यार्थियों ने ओणम के महत्व के बारे में बताया तथा पूविली गीत, कलारी पयट्टू और अम्बेयेल (मार्शल आर्ट) और मोहिनीअट्टम का प्रदर्शन किया गया।

खरतरगच्छ संघ का क्षमापना व स्नेह मिलन कार्यक्रम कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में खरतरगच्छ संघ द्वारा सामूहिक क्षमापना सह स्नेहमिलन का आयोजन मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व साध्वी प्रियस्वर्णजंनाश्री के सान्निध्य में रविवार को संभवनाथ भवन में मनाया जाएगा।

सुबह 8.45 बजे शोभायात्रा, संभवनाथ भवन में सुबह 9.15 बजे गुरुवंदन आदि कार्यक्रम होंगे। क्षमापना कार्यक्रम के लाभार्थी कुशल फैशन्स के चुन्नीलाल तनसुखराज जवेरीलाल राजेन्द्रकुमार गुलेच्छा परिवार वाले हैं।

आनन्दमय जीवन के लिए मन की शक्ति को जागृत करना जरुरी : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में एवं साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि जहाँ जीवन का एक पल भी निश्चित नहीं, वहाँ पर मनुष्य कौन सी समृद्धि की तैयारी में व्यस्त है मालुम नहीं। मौह- आसक्ति के वश मानव अपने आत्मबल की महान शक्ति से बेभान बना हुआ है। आज के मनुष्य को आत्मसमृद्धि की चिन्ता नहीं है। वह भौतिक समृद्धि में ही उलझा हुआ है। यूं देखें तो मनुष्य की सारी सतर्कता पुरुषार्थ और भागा दौडी भौतिक समृद्धि-साधनों के एकत्रण में ही लगी हुई हैं। आत्मबोध का प्रश्न आता है तो मनुष्य की मूर्च्छा और गहरी हो जाती है। मौत की निश्चितता को हमने जाना तो अवश्य है मगर समझा नहीं। घर से मरघट तक के अर्थहीन सफर में हमने पूरा जीवन तो बिता दिया। अपने जीवन की आनन्दमय बनाने के लिए मन की शक्ति को जागृत करना होगा। स्वयं पर भरोसा और स्वयं समार को ही पुरुषार्थ करना होगा। उन्होंने तपाराधकों के सुदीर्घ तप की भी मंगल अनुमोदना की।

प्रारंभ में साध्वी स्नेहप्रभाजी ने कहा कि मनुष्य का सबसे बड़ा व सबसे प्रबल शत्रु होता है उसके भीतर छिपा हुआ आलस्य-प्रमाद । इस संसार में जो मनुष्य आलस्य व प्रमाद को छोड कर पुरुषार्थ करता है वही सफलता की मंजिल को प्राप्त कर सकता है। हमारा यह जीवन असंस्कृत है, इसलिए इस जीवन में जागृत होना परम आवश्यक है। महापुरुषों ने तो प्रमाद व आलस को 'मृत्यु पद 'के समान बताया है। उन्होंने पांच प्रकार के प्रमाद मद, विषय, कषाय, निद्रा और विकथा इन पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रमाद का सेवन जीव के मुक्ति में बाधक हैं। जो व्यक्ति उत्साही है, वीर्यवान व स्फूर्तिवान है वह प्रमाद का त्याग कर संयमित जीवन जीते हुए वह साधूक आत्मा अपनी सब बाधाओं पर और कार्य अवरोधक शत्रुओं पर विजय प्राप्त करता है।

क्योंकि जो जागत है वो पावत है, जो सोवत है सो खोवत हैं। शनिवार को प्रात: 9.15 बजे स जय-जयमल-आत्म-शिव जन्म जयंती समारोह के द्विदिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम की शुरुआत होगी। संचालन सहमंत्री रमेशचंद गुंदेचा ने किया।

विसर्जन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के एजी जैन हायर सेकंडरी स्कूल में गणेशोत्सव का समापन भगवान गणेश की मूर्ति के विसर्जन के साथ हुआ। इस विसर्जन समारोह में विद्यालय के पत्राचारक गौतमचंद गोठी, सचिव दलजीतसिंह ढढा एवं विद्यालय के शिक्षकों ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया।

'साधना शुद्धि के लिए सामायिक जरुरी'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में प्रवचन करते हुए विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि जिस प्रकार किसान जमीन में बीज बोने से पहले खेत की विशुद्धि करता है, उसी प्रकार साधक की आवश्यक आराधना में प्रथम सामायिक भी क्षेत्र विशुद्धि के समान ही मानी गई है। साधक चारित्र आत्मा द्वारा पैदल विहार तथा नैसर्गिक साधनों के सिवाय अद्यतन कृत्रिम साधनों की जीवन में प्रयोगिता का अभाव ही रहता है। एकेन्द्रियादि जीवों की सहजता से दया भाव का पालन-निर्वाह होता रहता है।

इन्सानों में जितना वैर का जहर भर जाता है। शायद नारकी में भी इतना वैर का जहर नहीं होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुभकामना :

कर्नाटक राज्य के कपडा मंत्री शिवानंद पाटिल ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के डीआरयूसीसी सदस्य बनने पर अश्विनी सेमलानी को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर गौतम जैन भी उपस्थित थे।

सिद्धत्व पाने के लिए पुरुषार्थ जरुरी : राजेशमुनि

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत भवन में विराजित राजेशमुनिजी ने अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि हमें भी अपने जीवन का लक्ष्य सिद्धत्व पाने हेतु पुरुषार्थी बने तथा सभी सुख को पाकर पापों से छुटकारा पाते हुए सिद्ध परमात्मा सम बन जाएं।हमारे आयु कर्म के कारण ही जन्म-मरण होता है। जिन लक्षणों से हमारा मोक्ष नजदीक होता जाए उसे आध्यात्मिक क्रिया कहते है। हमें अपनी बाह्यीय बुद्धि से ज्यादा आंतरिक शुद्धि की ओर बढ़ना होगा। हमें लघु बनकर अर्थात सरल बनकर उत्तम सोच के साथ हमें मन, वचन, काया, आहार और धन सभी शुद्ध रखते हुए ऐसा नैतिक जीवन जीना होगा और अपने असली स्वरुप को पहचानना होगा ताकि हमारा आत्मा शुद्ध बने। आत्मा को शुद्ध बनाने हेतु हमारी आध्यात्मिक अर्थात आन्तरिक शुद्धि का होना अत्यन्त आवश्यक है। इस अवसर पर ऋषभ मुनिजी ने विचार व्यक्त किए। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.